■ वैशाख शुक्ल - 11 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 280 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 09-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर राजनीतिक सहमति : रीजीजू

6 खतरों के खिलाड़ी हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

7 ‘80 साल का बुजुर्ग पाकिस्तान’ पांच टुकड़ों में बंटकर बिखर जाएगा : इंद्रेश कुमार

फर्स्ट टेक

धर्मशाला में ‘ब्लैकआउट’ के कारण आईपीएल मैच रद्द

धर्मशाला/भाषा। पड़ोसी शहर जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी के बाद बृहस्पतिवार को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आईपीएल मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के कारण पूरी लीग के रद्द होने का खतरा पैदा हो गया। पंजाब की टीम 10.1 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बना चुकी थी जब लाइटें चली गईं लेकिन इसका कारण पहले ‘फ्लडलाइट’ की खराबी बताया गया था। बारिश के कारण खेल निर्धारित समय से देरी से शुरू हुआ था। आखिरकार टीमों और दर्शकों को उनकी सुरक्षा के लिए स्टेडियम से बाहर निकाला गया। यहां के खूबसूरत मैदान की क्षमता लगभग 23,000 है और खाली कराए जाने के समय यह लगभग 80 प्रतिशत भरा हुआ था। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ‘‘दर्शकों में कोई घबराहट नहीं थी।

रॉबर्ट प्रीवोस्ट नए पोप, लियो 14वें के नाम से जाने जाएंगे

वेटिकन सिटी, 8 मई (एपी) कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट को वेटिकन के बिशप के सबसे प्रभावशाली कार्यालय का नेतृत्व करने के लिए चुना गया है। कैथोलिक चर्च के इतिहास के दो हजार साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब कोई अमेरिकी पोप चुना गया है। पेरू में सेवा करते हुए अब तक अपना जीवन बिताने वाले 69 वर्षीय प्रीवोस्ट को लियो 14वें के नाम से जाना जाएगा।

राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर नई याचिका दाखिल

लखनऊ/भाषा। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने की मांग वाली एक नई याचिका बृहस्पतिवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में दायर की गई। याचिका में मामले पर फैसला आने तक गांधी की विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की गई है। यह याचिका कर्नाटक निवासी एस.वी. शिशिर ने अदालत की रजिस्ट्री के माध्यम से प्रस्तुत की गई है। रजिस्ट्री ने सुनवाई के लिए अभी याचिको को सुनवाई के लिए मंजूरी नहीं दी है। इसकी मंजूरी के बाद याचिका अदालत के सामने सुनवाई के लिए पेश की जाएगी। गौरतलब है कि याची ने पहले भी राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर याचिका दाखिल की थी। उनके द्वारा दायर एक याचिका का निपटारा पांच मई, 2025 को न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति राजीव सिंह की पीठ ने किया था।

09-05-2025 सूर्यास्त 6:36 बजे | 10-05-2025 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
80,334.81	24,273.80
(-411.97)	(-140.60)

सोना	चांदी
10,137 रु.	99,565 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सिंदूर की कीमत

खड़ा हो शेर जब सम्मुख,
नहीं लंगूर की कीमत।
न अंधा आंक सकता है,
किसी भी हूर की कीमत।
पड़े जब लात दुश्मन पर,
करे तब शूर की कीमत।
समझ में आ गई अब
पाक को सिंदूर की कीमत।

पाकिस्तान को भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मिसाइल हमले किए। इसके बाद भारत व पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान ने 7 और 8 तारीख की दरम्यानी रात में भारत पर ड्रोनों से हमला कर दिया जिससे भारत को जनहानि उठानी पड़ी। भारत ने ज्यादातर ड्रोन हमले को अपनी सुरक्षा तंत्र के चलते बचाया। भारत ने भी इसका मुंह तोड़ जवाब दिया और कई जगह हमले किए। जिससे पाकिस्तान में हाहाकार मच गया। खबरों के अनुसार दुश्मन के दो फाइटर जहाज भी भारत ने मार गिराए। पाकिस्तान के सीमावर्ती राज्य राजस्थान, गुजरात, पंजाब, जम्मू कश्मीर के कई क्षेत्रों में ‘ब्लैकआउट’ लागू कर दिया गया, जिससे पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया।

जम्मू और पठानकोट में सैन्य ठिकानों पर हमले के पाकिस्तान के प्रयास भारत ने किए नाकाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नियंत्रण रेखा पर भी पाकिस्तान की ओर से भारी फायरिंग की जा रही है, जिसे भारतीय सेना करारा जवाब दे रही है।

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार रात जम्मू और पठानकोट समेत सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने के पाकिस्तान के प्रयासों को विफल कर दिया। इससे पहले भारत ने देश के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में 15 स्थानों पर इसी तरह की कोशिशों को नाकाम कर दिया।

इस बीच व्यापक संघर्ष की आशंकाओं के बीच दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

पाकिस्तान की ओर से यह प्रयास ऐसे समय में किया गया है जब बुधवार को भारतीय सशस्त्र बलों ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए थे। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर पाकिस्तानी सेना द्वारा ये प्रयास और गोलाबारी ऐसे समय में की गई है, जब भारत ने बृहस्पतिवार सुबह कई शहरों में पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाया, जिनमें से लाहौर में एक को ‘‘निष्प्रभावी’’ कर दिया गया।

भारतीय सेना ने लाहौर में वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके उत्तरी और पश्चिमी भारत में 15 जगहों पर हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिशों को विफल कर दिया और जवाबी कार्रवाई में लाहौर में एक पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। व्यापक संघर्ष की आशंका के बीच दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया है।

रक्षा एवं सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी हमलों को विफल करने के लिए एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और एकीकृत मानवरहित विमान रोधी प्रणाली का इस्तेमाल किया गया।

आज सुबह अपनी प्रतिक्रिया में भारत ने कामिकेज़ ड्रोन दागे और लाहौर में पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया।

उसने कहा कि इन्हें एकीकृत काउंटर मानवरहित विमान प्रणाली (ग्रिड और वायु रक्षा प्रणाली) द्वारा निष्प्रभावी कर दिया गया।

इसमें कहा गया है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर वायु रक्षा रडार और प्रणालियों को निशाना बनाया तथा लाहौर में एक वायु रक्षा प्रणाली को निष्प्रभावी कर दिया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज को निशाना बनाने का प्रयास किया।

उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों के बल पर सफल हुआ ‘ऑपरेशन सिंदूर’

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत के दुर्जेय और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित सशस्त्र बलों के उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों से लैस होने के कारण ही ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा सका है।

रक्षा मंत्री ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय गुणवत्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सशस्त्र बलों द्वारा बिना किसी निर्दोष व्यक्ति को नुकसान पहुँचाए और न्यूनतम क्षति के साथ ऑपरेशन को अंजाम देने की सटीकता की सराहना की और इसे राष्ट्र के लिए गर्व का क्षण बताया।

उन्होंने कहा,ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया क्योंकि हमारे दुर्जेय और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित सशस्त्र बल उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों से लैस थे। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी शिविर नष्ट कर दिए गए और बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए। यह दर्शाता है कि राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा में 'गुणवत्ता' की महत्वपूर्ण भूमिका है।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत ने हमेशा बहुत संयम बरतते हुए एक जिम्मेदार राष्ट्र की भूमिका निभाई है और वह बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाने में विश्वास करता है, हालांकि, अगर कोई इस संयम का फायदा उठाने की कोशिश करता है, तो उसे 'गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई' का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने राष्ट्र को आश्वस्त किया कि भारत की संप्रभुता की रक्षा करने में सरकार के लिए कोई भी सीमा बाधा नहीं बनेगी।

उन्होंने कहा, हम भविष्य में

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की जिम्मेदारी पाकिस्तान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमारा रुख स्थिति को बिगाड़ने का नहीं रहा है। हमने केवल 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले का जवाब दिया।

नई दिल्ली/भाषा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है, क्योंकि उसने पहलगाम आतंकवादी हमले से स्थिति को बिगाड़ा और भारत ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के जरिये केवल इसका जवाब दिया।

विदेश सचिव ने पाकिस्तान को इसके कब्जे वाले कश्मीर में नीलम-झेलम जलविद्युत परियोजना पर हमले के मनगढ़ंत आरोपों की आड़ में भारतीय बुनियादी ढांचे को इसी तरह से निशाना बनाने के खिलाफ भी आगाह किया और कहा कि इस्लामाबाद इसके ‘‘परिणामों’’ के लिए जिम्मेदार होगा।

मिसरी ने यह टिप्पणी संवाददाता सम्मेलन में की, जिसके कुछ घंटे पहले रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि सशस्त्र बलों ने बुधवार रात मिसाइल और ड्रोन का उपयोग करके देश के उत्तरी और पश्चिमी भागों में 15 शहरों में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के पाकिस्तानी सेना के प्रयासों को विफल कर दिया। विदेश सचिव ने कहा कि पाकिस्तान की किसी भी सैन्य कार्रवाई का दृढ़ता से जवाब दिया जाएगा। मिसरी ने कहा, ‘‘सबसे पहले पाकिस्तान ने 22 अप्रैल (पहलगाम हमला) को तनाव बढ़ाया। हम केवल उस तनाव का जवाब दे रहे हैं। यदि पाकिस्तान द्वारा आगे भी तनाव बढ़ाने का प्रयास किया जाता है, तो उचित तरीके से इसका जवाब दिया जाएगा। अब जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है।’’

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के साथ ही सीमा के उस पार (पाकिस्तान) से स्थिति को बिगाड़ने के प्रयास शुरू हो गये थे। मिसरी ने कहा, हमारा रुख स्थिति को बिगाड़ने का नहीं रहा है। हमने केवल 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले का जवाब दिया।

पंजाब में अगले तीन दिन तक स्कूल-कॉलेज बंद

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य में अगले तीन दिनों के लिए शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर बृहस्पतिवार रात यह आदेश जारी किया गया। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘स्थिति को देखते हुए यह आदेश दिया जाता है कि पूरे पंजाब में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय अगले तीन दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहेंगे।’’ अधिकारियों ने बताया कि भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर हमला करने के एक दिन बाद पंजाब में अलर्ट जारी कर दिया गया है और सीमावर्ती जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं जबकि सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई हैं।

जयशंकर ने की अमेरिकी विदेश मंत्री से बात

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार रात अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से बात की और उन्हें बताया कि भारत स्थिति को बिगाड़ने की पाकिस्तान की किसी भी प्रयास से दृढ़ता से निपटेगा। फोन पर बातचीत के बाद जयशंकर ने बताया कि इस वार्तालाप के दौरान सीमा पार आतंकवाद पर भारत की लक्षित और नपी-तुली प्रतिक्रिया को रेखांकित किया। जयशंकर ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ‘‘आज शाम अमेरिका के विदेश मंत्री से बात की। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ काम करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता की मैं दिल से सराहना करता हूं।’’ उन्होंने कहा, ‘‘सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारत की लक्षित और नपी-तुली प्रतिक्रिया को रेखांकित किया गया। तनाव बढ़ाने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से मुकाबला किया जाएगा।

दोनों विदेश मंत्रियों के बीच फोन पर यह बातचीत तब हुई जब मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात में चलाए गए अभियान ‘ऑपरेशन सिंदूर’ और फिर 15 भारतीय शहरों पर हमले की पाकिस्तान की असफल कोशिश के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि रुबियो ने तत्काल तनाव कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ‘‘ रुबियो ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत के लिए अमेरिकी समर्थन व्यक्त किया और संवाद को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने को प्रोत्साहित किया।’’ ब्रूस ने कहा, ‘‘विदेश मंत्री ने पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के लिए अपनी संवेदना दोहराई और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ काम करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।’’

उत्तर कोरिया ने अपने समुद्री क्षेत्र में कई मिसाइलें दागीं : दक्षिण कोरिया

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के ‘ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ’ ने बताया कि पूर्वी बंदरगाह शहर वॉनसन के आसपास के क्षेत्र से सुबह आठ बजकर 10 मिनट से नौ बजकर 20 मिनट के बीच कई मिसाइलें दागी गईं जिनमें से सबसे अधिक दूरी लगभग 800 किलोमीटर तक थी। हालांकि, इस बारे में स्पष्ट नहीं बताया गया कि कितनी मिसाइलें दागी गईं। दक्षिण कोरिया की सेना के प्रवक्ता ली सुंग जून ने मीडिया को बताया कि उत्तर कोरिया के प्रक्षेपणों का उद्देश्य संभवतः उन हथियारों के प्रदर्शन का परीक्षण करना था जिन्हें वह निर्यात करने की योजना बना रहा है। उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को सैन्य उपकरण की आपूर्ति कर रहा है और अपने सैनिकों को भी भेज रहा है। जॉइंट चीफ ने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने प्रक्षेपण की तैयारियों को पहले ही भांप लिया था और मिसाइलों के प्रक्षेपण के बाद उन पर नजर रखी। जापान के रक्षा मंत्री जनरल नकातानी ने संवाददाताओं से कहा कि उत्तर कोरिया की कोई भी मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र तक नहीं पहुंची और क्षेत्र में जहाजों या विमानों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

गंगोत्री जा रहा हेलीकॉप्टर गंगनानी के पास दुर्घटनाग्रस्त, छह मरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में बृहस्पतिवार सुबह गंगोत्री जा रहा निजी कंपनी का एक हेलीकॉप्टर गंगनानी के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार पांच श्रद्धालुओं समेत छह व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी तथा एक अन्य श्रद्धालु गंभीर घायल हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे की जांच विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा की जाएगी। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) से मिली जानकारी के अनुसार, मरने वालों में हेलीकॉप्टर के पायलट के अलावा पांच अन्य महिलाएं हैं। दुर्घटना का शिकार हुए हेलीकॉप्टर में कुल सात व्यक्ति सवार थे।

‘एक्स’ ने कहा: सरकार के आदेश के बाद भारत में आठ हजार अकाउंट ब्लॉक किए गए

नई दिल्ली/भाषा। सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने सरकार के आदेश के बाद भारत में 8,000 खातों को ब्लॉक कर दिया है। ‘एक्स’ ने कहा कि उसे भारत सरकार से शासनादेश प्राप्त हुए, जिसमें उसे भारत में 8,000 से अधिक खातों को ब्लॉक करने की आवश्यकता बताई गई। इस प्रमुख सोशल मीडिया मंच ने अपने ‘ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स’ हैंडल पर पोस्ट किया, ‘‘आदेशों का पालन करने के लिए हम केवल भारत में निर्दिष्ट अकाउंट पर रोक लगा देंगे। हमने वह प्रक्रिया शुरू कर दी है।

राफेल के खिलौना मॉडल पर ‘नींबू और मिर्च’ लगाने को लेकर अजय राय पर मुकदमा दर्ज

वाराणसी (उप्र)/भाषा। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ राफेल लड़ाकू विमान के खिलौना मॉडल को ‘नींबू और मिर्च’ से सजाकर प्रदर्शित करने को लेकर बृहस्पतिवार को यहां मामला दर्ज किया गया है। राय की इस हरकत से विवाद खड़ा हो गया था। चेतगंज थाने के प्रभारी (एसएचओ) दिलीप कुमार मिश्रा ने कहा कि प्रदीप कुमार गुप्ता नामक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार गुप्ता एक स्थानीय हिंदू समूह का सदस्य है।

'ऑपरेशन सिंदूर' का लक्ष्य कोई धर्म या देश नहीं बल्कि आतंकवाद था : सावंत

ऑपरेशन के जरिए भारत ने दिखा दिया कि उसके पास आतंकवाद को खत्म करने की है ताकत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'आपरेशन सिंदूर' किसी देश या धर्म के खिलाफ नहीं था, बल्कि इसका लक्ष्य आतंकवाद था।

सावंत ने कहा कि इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने दिखा दिया है कि उसके पास आतंकवाद को खत्म करने की ताकत और इरादा है।

भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमलों में 26 नागरिकों की मौत के दो हफ्ते बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य हमले किए गए।

सावंत ने संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे सशस्त्र बलों द्वारा चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' किसी देश या धर्म के खिलाफ नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''पहलगाम में हमारी बहनों के सिंदूर

को मिटाने का दुस्साहस करने वाले आतंकवादी हमारे निशाने पर थे। लक्ष्य आतंकवाद था। हमने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए जघन्य कृत्य का बदला लिया।'' सावंत ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों ने भारत द्वारा मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार के दौरान उनके शवों को सलामी देकर इस विश्वास की पुष्टि की है कि वे (पाकिस्तानी) आतंकवाद का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, ''भारत ने आतंकवाद पर जवाबी हमला करने की अपनी ताकत और इरादे को दर्शाया है।''

दो महिला अधिकारियों- कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बुधवार को मिसाइल हमलों के कुछ घंटों बाद भारत सरकार की ब्रीफिंग का नेतृत्व किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, ''इनमें से एक अधिकारी मुस्लिम थीं। इसलिए मैं कहता हूं कि हमारी लड़ाई किसी देश या धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ है।''

सावंत ने बृहस्पतिवार को गोवा में आपात स्थितियों से निपटने की विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों को परखने के लिए आयोजित 'मॉक ड्रिल' के बारे में कहा कि राज्य के दोनों जिलों में अभ्यास सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि इन अभ्यासों ने किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए हमारी तैयारी को प्रदर्शित किया है।

छत्रपति शिवाजी के गौरवशाली योगदान को पाठ्यपुस्तकों में व्यापक रूप से शामिल किया जाना चाहिए : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) से कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली योगदान को पाठ्यपुस्तकों में व्यापक रूप से शामिल किया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि शिवाजी का अनुकरणीय जीवन और विरासत वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और इसे पाठ्यपुस्तकों में उचित स्थान मिलना चाहिए। महाराष्ट्र के स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे के साथ एक बैठक के बाद प्रधान ने स्वंय यह जानकारी साझा की।

प्रधान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के विभिन्न पहलुओं और इसके कार्यान्वयन पर विशेष रूप से महाराष्ट्र में स्कूली शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ युवा बच्चों को उनकी पूर्ण विकास क्षमता हासिल कराने में मदद करने के तरीकों पर सार्थक चर्चा हुई।'' उन्होंने कहा, ''मंत्री को बताया कि मैंने एनसीईआरटी को निर्देश दिया है कि वह छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली पराक्रम और अद्वितीय योगदान को पाठ्यपुस्तकों में व्यापक रूप से शामिल करे। उनका अनुकरणीय जीवन और विरासत वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और इसे हमारी पाठ्यपुस्तकों में उचित स्थान मिलना चाहिए।''

टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाया जाए : ओवैसी

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सर्वदलीय बैठक में कहा कि लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित समूह 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को आतंकवादी संगठन घोषित करवाने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की संदिग्ध सूची (ग्रे लिस्ट) में शामिल कराने के लिए भी कोशिश की जानी चाहिए। हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने संवाददाताओं से कहा, आज की सर्वदलीय बैठक में मैंने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाने के लिए हमारे सशस्त्र बलों और भारत सरकार की सराहना की।

पाक में फिदायीन हमलावर तैयार कर रहे जैश के अड्डों के संबंध हमास से, नाटो हथियारों का भंडार

नई दिल्ली/भाषा। प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो केंद्र- इसका बहावलपुर स्थित मुख्यालय और पाकिस्तान के पंजाब में स्थित नरोवाल आत्मघाती हमलावर तैयार करने वाले अड्डों के रूप में काम करते थे। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यहां यह जानकारी देते हुए कहा कि इन अड्डों के ना केवल फलस्तीनी संगठन हमास के साथ संबंध थे, बल्कि ये अफगानिस्तान से तस्करी करके लाए गए नाटो बलों के हथियारों के भंडारण केंद्र के रूप में काम करते थे।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के एक-दूसरे के विपरीत छोर पर स्थित ये दोनों केंद्र बुधवार तड़के भारतीय वायुसेना द्वारा दागी गई मिसाइलों से ध्वस्त हुए उन नौ लक्ष्यों में शामिल थे, जिन्हें 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले का कड़ा जवाब देने के तहत निशाना बनाया गया था। ये कार्रवाई पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी जिसमें 25 पर्यटकों और एक स्थानीय गाइड की आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी।

अधिकारियों के अनुसार, 15 एकड़ में फैला जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर केंद्र इसके प्रमुख अब्दुल रऊफ असगर द्वारा चलाया जाता रहा है और इस इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के संस्थापक मसूद अजहर और उसके परिवार के अन्य सदस्यों के आवास हैं।

रिलायंस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' ट्रेडमार्क आवेदन लिया वापस, कहाः अनजाने में यह आवेदन दे दिया था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल)' ने यह कहते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शब्द के लिए अपना ट्रेडमार्क आवेदन वापस ले लिया है कि उसके एक कनिष्ठ अधिकारी ने अनजाने में यह आवेदन दे दिया था, जबकि इसके लिए वह अधिकृत नहीं था।

'रिलायंस' ने बयान में कहा कि उसका ''ऑपरेशन सिंदूर (शब्द) को ट्रेडमार्क बनाने का कोई इरादा नहीं है। यह ऐसा शब्द है, जो अब भारतीय बहादुरी के प्रतीक के रूप में राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बन गया है।'' सशस्त्रबलों ने पाक में आतंकवादियों के विरुद्ध जो कार्रवाई की है उसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया है। रिलायंस ने कहा, ''रिलायंस इंडस्ट्रीज की इकाई जियो स्टूडियोज ने अपना ट्रेडमार्क आवेदन वापस ले लिया है, जिसे कनिष्ठ अधिकारी ने अनजाने में दे दिया था, जबकि इसके लिए वह अधिकृत नहीं था।'' 4 आवेदन बुधवार को पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक के कार्यालय में दायर किए थे, जिसमें ऑडियो एवं वीडियो सामग्री जैसी मनोरंजन संबंधी सेवाओं के लिए इस शब्द का उपयोग करने की मांग की गई थी। उनमें एक आवेदन रिलायंस का था। सभी चार आवेदकों ने सात मई को सुबह 10.42 बजे और शाम 6.27 बजे के बीच 'नाइस' वर्गीकरण के वर्ग 41 के तहत पंजीकरण के लिए आवेदन दिया था, जिसमें शिक्षा और प्रशिक्षण सेवाएं, फिल्म और मीडिया उत्पादन, लाइव प्रदर्शन एवं कार्यक्रम, डिजिटल सामग्री वितरण और प्रकाशन तथा सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां शामिल हैं।

जीआरएसई ने उथले पानी में इस्तेमाल होने वाला पहला पनडुब्बी रोधी जहाज नौसेना को सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड ने कहा है कि उसने उथले पानी में इस्तेमाल होने वाले आठ पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) जहाजों में से पहला जहाज बृहस्पतिवार को भारतीय नौसेना को सौंप दिया है।

इन जहाजों से भारतीय नौसेना की उन तटीय क्षेत्रों में गश्त करने की क्षमता बढ़ेगी, जहां दुश्मन की पनडुब्बियां छिपी हो सकती हैं। कोलकाता में स्थित जीआरएसई लिमिटेड ने भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे आठ जहाजों में से पहला जहाज 'आईएनएस अर्नाला' बृहस्पतिवार को बल के हवाले किया। जीआरएसई ने एक बयान में कहा कि 77.6 मीटर लंबे और 10.5 मीटर चौड़े ये जहाज तटीय क्षेत्रों में निगरानी के साथ-साथ खोज और हमले के लिए भी सक्षम हैं। अधिकारी ने कहा, ये विमान के साथ समन्वित पनडुब्बी रोधी अभियान भी चला सकते हैं। जीआरएसई लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि जहाज का निर्माण सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत किया गया है, जिसमें जीआरएसई ने तमिलनाडु में निजी शिपयार्ड एलएंडटी कट्टुपल्ली के साथ सहयोग किया है। जीआरएसई को अर्नाला जहाज के डिजाइन के लिए 2022 में रक्षा मंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह 'सबसे शांत जहाज' बताया गया है। बयान में कहा गया है कि इस जहाज का नाम महाराष्ट्र के तट पर स्थित एक ऐतिहासिक किले वाले द्वीप के नाम पर रखा गया है और इसमें लगभग 88 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। जीआरएसई अब 16 और युद्धपोत का निर्माण कर रहा है, जिनमें तीन पी17ए उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट, सात एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी, दो सर्वेक्षण पोत और चार अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत शामिल हैं।

ओयो पिछले वित्त वर्ष में सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली स्टार्टअप कंपनीः संस्थापक

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक यात्रा होटल मंच ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी पिछले वित्त वर्ष में 623 करोड़ रुपए के शुद्ध लाभ के साथ सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाला स्टार्टअप रही है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। ओयो के वित्तीय नतीजों से संबंधित दस्तावजों के मुताबिक, कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में 172 प्रतिशत बढ़कर 623 करोड़ रुपए हो गया, जो 2023-24 में 229 करोड़ रुपए था। पीटीआई-भाषा को मिले दस्तावेजों के मुताबिक, कंपनी की समायोजित कर-पूर्व आय (एबिटा) वित्त वर्ष 2024-25 में 27 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,132 करोड़ रुपए हो गई जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 889 करोड़ रुपए थी। कंपनी का एबिटा लगातार 10वीं तिमाही में बढ़त में रहा है। इस वजह से ओयो की प्रति शेयर आय पिछले वित्त वर्ष में 158 प्रतिशत बढ़कर 0.93 रुपए तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 0.36 रुपए प्रति शेयर थी।

अमृतसर में बिखरा मिला धातु का मलबा, स्थानीय लोगों ने मिसाइल के टुकड़े होने का दावा किया

अमृतसर/भाषा। पंजाब के अमृतसर जिले के एक गांव में बृहस्पतिवार को कुछ स्थानों पर धातु का मलबा बिखरा हुआ पाया गया जबकि कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया कि ये किसी मिसाइल के टुकड़े हैं। पुलिस ने बताया कि जांच करने के बाद ही पता चल पाएगा की यह सिर्फ धातु का मलबा है या मिसाइल के टुकड़े हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें जिले के जेठूवाल गांव के कुछ खेतों एवं घरों में धातु का मलबा मिला है। उन्होंने बताया कि किसी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। स्थानीय लोगों ने मलबा मिलने पर पुलिस को बताया और उन्होंने सेना को इसकी सूचना दी। अमृतसर जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार तड़के 'ब्लैकआउट' अभ्यास किया और निवासियों से घरों के अंदर रहने और नहीं घबराने के लिए कहा। 'ब्लैकआउट' अभ्यास रात करीब डेढ़ बजे शुरू हुआ। पिछले तीन घंटों में जिले में दूसरी बार यह अभ्यास किया गया था। इससे पहले बुधवार को रात साढ़े दस बजे से 11 बजे तक 'मॉक ड्रिल' की गई थी।

गुजरात में भारत-पाक सीमा के पास 'ड्रोन जैसी' वस्तु का मलबा मिला

भुज (गुजरात)/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के नज़दीक एक सुनसान इलाके में बृहस्पतिवार को 'ड्रोन जैसी' वस्तु का मलबा मिला है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ड्रोन जैसी यह वस्तु खावड़ा गांव के पास तब मिली है, जबकि केंद्र सरकार ने कहा है कि पाकिस्तान ने बुधवार और बृहस्पतिवार की दरमियानी रात को पश्चिमी और उत्तरी भारत के कई स्थानों पर हमले की कोशिश की थी। कच्छ (पश्चिम) के पुलिस अधीक्षक विकास सुंडा ने पुष्टि करते हुए कहा, आज सुबह एक हाई-वोल्टेज पावर ट्रांसमिशन लाइन के नीचे 'ड्रोन जैसी' वस्तु का मलबा मिला है। उन्होंने बताया, यह मलबा खावड़ा गांव के पास मिला।

स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उस वस्तु व उसके हिस्सों को जांच के लिए भुज एयरबेस ले गए। ड्रोन कहां से आया इसे लेकर अभी तक कोई स्पष्टता नहीं है और यह भी पता नहीं चल पाया है कि क्या इसे मार गिराया गया या फिर यह बिजली लाइन से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया। सूत्रों के अनुसार, मलबा जिस स्थान पर मिला है, वह भारत-पाक सीमा से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

आयुर्वेद से जुड़े स्टार्ट-अप को प्रायोजित करने की योजना बना रही दिल्ली सरकारः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार वैश्विक आयुर्वेद शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने और सदियों पुरानी भारतीय चिकित्सा प्रणाली पर केंद्रित स्टार्ट-अप को सहायता प्रदान करने की योजना बना रही है।

यहां अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि जिस तरह से आयुर्वेद वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रहा है, अन्य देश अधिक जानकारी और आयुर्वेदिक दवाओं की उपलब्धता के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आयुष मंत्रालय की स्थापना करने और नीतियां बनाकर आयुर्वेद और अन्य संबंधित औषधीय प्रणालियों को एक बड़ा मंच प्रदान करने के लिए धन्यवाद देती हूं।'' उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की तर्ज पर दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना एक बड़ी उपलब्धि है। आयुर्वेद क्षेत्र के विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''हमें दिल्ली में एक वैश्विक आयुर्वेद शिखर सम्मेलन आयोजित करना चाहिए जिसे सरकार का समर्थन मिलेगा। हम शिखर सम्मेलन में दुनिया भर के लोगों के सामने आयुर्वेदिक प्रणाली को पेश कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार युवाओं को इस क्षेत्र में काम करने के वास्ते प्रोत्साहित करने के लिए आयुर्वेद आधारित स्टार्ट-अप को प्रायोजित करने जैसी विभिन्न पहल शुरू करने की योजना बना रही है, जबकि योग गुरुओं और विशेषज्ञों को नवाचार पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में 45 लाख रुपए मूल्य के जाली नोट जब्त, छह लोग गिरफ्तार

ठाणे/भाषा। ठाणे में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 45 लाख रुपए से अधिक मूल्य की जाली भारतीय मुद्रा जब्त की हैं। बृहस्पतिवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमरसिंह जाधव ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों को बताया कि भिवंडी शहर में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के कार्यालय में नकली नोट छापे जा रहे थे।

भिवंडी पुलिस की अपराध शाखा ने एक गुप्त सूचना के आधार पर तीन मई को अवचितपाड़ा में छापेमारी कर सूरज तानाजी शेंडे, भरत वल्कु सासे और स्वप्निल जगदीश पाटिल के पास से 30 लाख रुपए मूल्य के 500-500 रुपए के नकली नोट जब्त किए।

गडकरी ने कहा, 30,000 किमी. के राजमार्गों को चार लेन में बदलने को करेंगे 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को एक मजबूत आर्थिक शक्ति बनाने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास महत्वपूर्ण है और राजमार्ग मंत्रालय ने 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश से दो लेन वाले 25,000-30,000 किलोमीटर राजमार्गों को चार लेन में बदलने का निर्णय लिया है।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि मंत्रालय अब भारतीय निवेशकों से राजमार्ग परियोजनाओं के लिए धन जुटाने को अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) मॉडल को प्रोत्साहित करेगा। भारत को मजबूत आर्थिक शक्ति बनाने के लिए, बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण है... हमने 8-10 लाख करोड़ रुपए की लागत से देश में दो लेन वाले 25,000-30,000 किलोमीटर राजमार्गों को चार लेन में बदलने का निर्णय लिया है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि उनका सपना हर साल पांच से छह लाख करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाएं पूरी करना है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास निष्पादन के विभिन्न तरीकों के तहत किया जाता है, जिसमें बनाओ-चलाओ-हस्तांतरित करो (बीओटी या टोल) बीओटी (एन्यूइटी), इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी), इनविट और हाइब्रिड एन्यूइटी मॉडल शामिल हैं। सरकार सड़कों के निर्माण के लिए बीओटी मॉडल (वार्षिकी) को संशोधित करने पर काम कर रही है, जिसके तहत राजमार्ग मंत्रालय 15 साल तक टोल एकत्र करेगा और इसका कुछ हिस्सा रियायतग्राहियों के साथ साझा करेगा।

भारतीय कृषि को आर्थिक रूप से लाभप्रद बनाने के लिए समाधान खोजने की जरूरतः गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारतीय कृषि को आर्थिक रूप से लाभप्रद बनाने की जरूरत है क्योंकि देश को 'आत्मनिर्भर' बनाना जरूरी है। गडकरी ने कहा कि भारत की कृषि को ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की ओर विविधता देने की जरूरत है, क्योंकि देश में खाद्यान्नों के भंडारण की पर्याप्त क्षमता नहीं है। ग्रामीण और आदिवासी भारत में रोजगार की संभावनाएं बढ़ाने की भी जरूरत है, क्योंकि ये क्षेत्र गंभीर आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। भारतीय कृषि आर्थिक रूप से बहुत लाभप्रद नहीं है।

मस्क की स्टारलिंक को दूरसंचार विभाग से मिला आशय पत्र, भारत में उपग्रह संचार सेवाओं का रास्ता खुला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के अरबपति उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने दूरसंचार विभाग से मंजूरी मिलने के बाद भारत में उपग्रह संचार सेवाएं मुहैया कराने की ओर एक और कदम बढ़ाया है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि स्टारलिंक को उपग्रह संचार सेवाओं के लिए आशय पत्र जारी कर दिया गया है। हालांकि, परिचालन शुरू करने से पहले उसे अभी लाइसेंस हासिल करना होगा। स्टारलिंक एक उपग्रह इंटरनेट सेवा प्रदाता है।

एयरोस्पेस विनिर्माता एवं अंतरिक्ष परिवहन कंपनी स्पेसएक्स द्वारा 2002 में इसकी स्थापना की गई थी। यह उपग्रह प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर दुनिया भर में उच्च-गति, कम-बाधा वाली ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा प्रदान करती है। कंपनी ने भारत में अपने ग्राहकों तक स्टारलिंक का उच्च गति वाला इंटरनेट पहुंचाने के लिए शीर्ष दो दूरसंचार कंपनियों रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के साथ समझौता किया है। पारंपरिक उपग्रह सेवाओं के उलट स्टारलिंक पृथ्वी की सतह के अपेक्षाकृत सबसे करीब निम्न पृथ्वी कक्षा या एलईओ उपग्रहों (पृथ्वी से 550 किलोमीटर ऊपर) का इस्तेमाल करती हैं। पारंपरिक उपग्रह सेवाएं आमतौर पर भूस्थिर उपग्रह पर निर्भर करती हैं। एलईओ उपग्रहों की संख्या अभी 7,000 है जो बढ़कर 40,000 से अधिक हो जाएगी। स्टारलिंक का उपग्रह इंटरनेट स्ट्रीमिंग, ऑनलाइन गेमिंग और वीडियो कॉलिंग के लिए सेवाएं प्रदान करने में सक्षम है। यह अत्यधिक ठंड, गर्मी, ओलावृष्टि, भारी बारिश और यहां तक कि आंधी के समय एवं दूरदराज इलाकों में बिना किसी बाधा के सेवाएं मुहैया कराने में भी सक्षम है। यह खासतौर पर ग्रामीण और उन इलाकों के लिए उपयुक्त है, जहां फाइबर या केबल जैसे पारंपरिक इंटरनेट माध्यम नहीं पहुंच पाए हैं।

भारत-पाक तनाव के मद्देनजर कर्नाटक सरकार ने एहतियाती कदम उठाए : सिद्दरामय्या

मंड्या/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार ने पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया है और ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाए हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन किया जा रहा है। सिद्दरामय्या ने राज्य में बांधों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाए जाने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, ''हमने हर जगह अलर्ट जारी कर दिया है, क्योंकि कभी भी कुछ भी हो सकता है। हमने सतर्कता बरती है।'' उन्होंने कहा कि सभी स्थानों पर 'मॉक ड्रिल' आयोजित की जा रही है और केंद्र द्वारा जारी निर्देशों का पालन किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि राज्य सरकार ने कर्नाटक में अभी भी मौजूद कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेजने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है, मुख्यमंत्री ने कहा, ''लगभग सभी लोग चले गए हैं। मैसूरु का एक परिवार अदालत चला गया है। शायद ऐसे ही मामलों में कुछ बचे होंगे, नहीं तो सभी चले गए हैं।'' उन्होंने कहा कि राज्य में अभी भी कितने पाकिस्तानी नागरिक मौजूद हैं, इसकी सही संख्या के बारे में उनके पास जानकारी नहीं है।

भारतीय सैनिकों के लिए आज जुमे की विशेष नमाज अदा की जाएगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के वक्फ एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में भाग लेने वाले भारतीय सैनिकों की कुशलता के लिए राज्य भर की मस्जिदों में शुक्रवार को विशेष नमाज अदा की जाएगी। खान ने एक बयान में कहा कि वक्फ बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में आने वाली मस्जिदों के साथ-साथ अन्य मस्जिदों में भी देश के बहादुर सैनिकों की ताकत के लिए जुमे की विशेष नमाज अदा की जाएगी। उन्होंने इस संबंध में वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखा है। इस बीच, धर्मस्व मंत्री रामलिंगा रेड्डी के निर्देश पर भारतीय सशस्त्र बलों की भलाई के लिए कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी मंदिरों में विशेष प्रार्थना का आयोजन किया जा रहा है।

भाजपा सशस्त्र बलों के लिए मंदिरों में विशेष प्रार्थना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर कर्नाटक की भाजपा इकाई ने राज्यभर के मंदिरों में सशस्त्र बलों की कुशलता के लिए विशेष प्रार्थनाएं करने का निर्णय लिया है। राज्य भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बृहस्पतिवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ यहां एक मंदिर में प्रार्थना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णय के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत मंगलवार रात भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल हमलों को अंजाम दिया। विजयेंद्र ने कहा, हमने भारत की सफलता और हमारे सशस्त्र बलों की शक्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है क्योंकि आतंकवाद केवल भारत की ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की समस्या है। हमने आतंकवाद के खात्मे के लिए प्रार्थना की।'' विजयेंद्र ने संवाददाताओं से कहा, ''मैंने राज्य के सभी जिलों और तालुकों में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे आज और कल मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन करें।'' कर्नाटक के हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के तहत आने वाले सभी मंदिरों में भी सशस्त्र बलों की कुशलता के लिए विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की जा रही हैं। यह आयोजन धार्मिक न्यास मंत्री रामलिंगा रेड्डी के निर्देश पर हो रहे हैं। विभाग के आयुक्त ने इस संबंध में एक परिपत्र भी जारी किया है।

कर्नाटक लोकायुक्त ने चार सरकारी अधिकारियों के यहां की छापेमारी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक लोकायुक्त अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को चार सरकारी अधिकारियों के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। इन अधिकारियों पर आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। लोकायुक्त के अनुसार जिन अधिकारियों से संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की गई उनमें सुरेश बाबू जी (सर्वे पर्यवेक्षक, अतिरिक्त निदेशक भूमि अभिलेख कार्यालय, कोलार तालुक, कोलार जिला), राजा वेंकटप्पा नायक (तालुक स्वास्थ्य अधिकारी, तालुक स्वास्थ्य कार्यालय, सुरपुर, यादगिर जिला), एम बी रवि (सहायक कार्यकारी अभियंता, कर्नाटक शहरी जल आपूर्ति एवं निकासी बोर्ड, दावणगेरे) और जी श्रीनिवास मूर्ति (सहायक कार्यकारी अभियंता, जल संसाधन विभाग, महादेवपुरा) शामिल है। लोकायुक्त पुलिस के सूत्रों ने बताया कि जिन स्थानों पर छापेमारी की गई, वहां से कई आपत्तिजनक दस्तावेज, बेहिसाबी धन और बहुमूल्य वस्तुएं बरामद हुईं।

एस्टर डीएम हेल्थकेयर ने शहर में अपना चौथा अस्पताल खोला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत में सबसे बड़े एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक, एस्टर डीएम हेल्थकेयर ने बेंगलूरु में अपना चौथा मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल स्थापित करने के लिए एक पट्टा समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। सरजापुर में आने वाली यह 430 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक सुविधा अपने व्यापक और विशिष्ट चिकित्सा सेवाओं के साथ क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने के लिए तैयार है।

एस्टर डीएम हेल्थकेयर 4 लाख वर्ग फुट में फैली इस सुविधा में लगभग 480 करोड़ रुपये का निवेश करेगी । 300 बिस्तरों के साथ परियोजना का पहला चरण वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही तक और शेष 130 बिस्तरों का संचालन वित्त वर्ष 2029 में शुरू होगा। बेंगलूरु में अपने चौथे अस्पताल की स्थापना के साथ, एस्टर रणनीतिक रूप से शहर भर में उपस्थिति हासिल करेगा। सरजापुर रोड तेजी से बेंगलूरु के अगले प्रमुख आईटी हब के रूप में उभर रहा है, जो मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और रणनीतिक स्थान के लाभों से प्रेरित है। कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) ने 1,050 एकड़ में फैले अत्याधुनिक आईटी हब को विकसित करने की योजना की घोषणा की है। इस विकास को स्वीकृत आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं में उछाल से पूरित किया गया है, जो सरजापुर को एक उच्च-विकास गलियारे के रूप में स्थापित करता है। व्हाइटफील्ड, ओआरआर और मारथहल्ली जैसे स्थापित आईटी क्षेत्रों से इसकी निकटता और चरण 3 में प्रस्तावित मेट्रो लाइन इसके आकर्षण को और बढ़ाती है।

जीसीसी कॉन्क्लेव

बेंगलूरु के पीनया में सुराणा कॉलेज शैक्षणिक संस्थान में आयोजित जीसीएस कॉन्क्लेव के चौथे संस्करण में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार उपस्थित थे। उन्होंने पुरस्कार भी प्रदान किए। इस अवसर पर आदि चुंचनगिरी मठ के प्रमुख श्री निर्मलानंदनाथ स्वामीजी और कॉलेज के प्रमुख डॉ. दिलीप सुराणा, पद्मश्री पुरस्कार विजेता जोगती मंजम्मा, एथर एनर्जी के संस्थापक तरुण मेहता, सेंट जॉन नेशनल एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज के निदेशक फादर जेसुदोस राजमणिकम और अन्य उपस्थित थे।

भारतीय सेना के चिकित्सा शिविर में 200 से ज्यादा लोग लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय सेना ने गुरुवार को प्रमुख नागरिक-सैन्य आउटरीच पहल के तहत वैदेही वीमन एंड चाइल्ड फाउंडेशन और होसमत हॉस्पिटल के साथ साझेदारी में बनासवाड़ी सैन्य छावनी में व्यापक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

त्रिवेंद्रम ब्रिगेड, बाइसन डिवीजन के तत्वावधान में इन्फैंट्री बटालियन द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्देश्य वंचित समुदायों, विशेषकर झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों और सेवारत सैनिकों के आश्रितों को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था।

एक दिवसीय शिविर में सामान्य एवं विशेषज्ञ परामर्श, रक्तदान अभियान और निःशुल्क दवाइयों के वितरण सहित अनेक प्रकार की सेवाएं दी गईं। डॉक्टरों, स्त्री रोग विशेषज्ञों, पल्मोनोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक और कैंसर विशेषज्ञों वाली एक बहु-विषयक टीम ने 200 से ज्यादा रोगियों का इलाज किया।

सभी रोगियों को होसमत हॉस्पिटल में मुफ्त परामर्श की निरंतर पहुंच का आश्वासन दिया गया। वैदेही फाउंडेशन की उमा आर्य ने सहयोग की सराहना की और कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में अंतराल को पाटने के लिए इस तरह के संयुक्त प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं।

शिविर में स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसकी सराहना की। इस शिविर के आयोजन से न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा, बल्कि सामुदायिक सेवा के एक स्तंभ के रूप में भी सेना की भूमिका को बल मिला। इसके जरिए भारतीय सेना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उसकी ताकत सिर्फ हथियारों में नहीं, बल्कि अपने लोगों के प्रति करुणा, सहयोग और अटूट प्रतिबद्धता में निहित है।

केनरा बैंक का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 28 प्रतिशत बढ़कर 5,070 करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में 28 प्रतिशत बढ़कर 5,070 करोड़ रुपये हो गया। प्रावधान में कमी और गैर-प्रमुख आय में वृद्धि से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 3,951 करोड़ रुपये रहा था। बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में उसका शुद्ध लाभ 17,540 करोड़ रुपये रहा, जो 2023-24 में 15,279 करोड़ रुपये रहा था।

केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य

कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्यनारायण राजू ने कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष (2025-26) में 10-11 प्रतिशत ऋण वृद्धि का लक्ष्य रखा है, जबकि जमा वृद्धि को भी नौ प्रतिशत से अधिक बनाए रखा जाएगा।

बैंक ने कहा कि 11 प्रतिशत ऋण वृद्धि के बावजूद समीक्षाधीन तिमाही में उसकी मूल शुद्ध ब्याज आय 1.44 प्रतिशत घटकर 9,442 करोड़ रुपये रह गई, जबकि शुद्ध ब्याज मार्जिन 0.25 प्रतिशत घटकर 2.80 प्रतिशत रह गया। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की गैर-ब्याज आय 21.74 प्रतिशत बढ़कर 6,351 करोड़ रुपये हो गई। इसमें बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,471 करोड़ रुपये हो गई। ट्रेजरी आय 15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 995 करोड़ रुपये रही।

तिमाही के दौरान बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात दिसंबर के 3.34 प्रतिशत से घटकर 2.94 प्रतिशत रह गया। बैंक ने बताया कि उसका कुल प्रावधान घटकर 1,831 करोड़ रुपये रह गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी समय 2,483 करोड़ रुपये था। हालांकि, एनपीए के लिए प्रावधान 2,282 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,849 करोड़ रुपये हो गया।

बेलगावी में कर्नल सोफिया कुरैशी का घर बना देशभक्ति का प्रतीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलागावी। कर्नाटक के बेलागावी जिले के कोन्नूर गांव में मोहम्मद गौस सब बागेवाड़ी का घर राष्ट्रीय गौरव का केंद्र बन गया है, जहां आगंतुकों और शुभचिंतकों का तांता लगा हुआ है, वजह है कि उनकी पुत्रवधू कर्नल सोफिया कुरैशी पहलगाम आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए चलाए गए भारतीय सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में टीवी पर जानकारी देने के लिए आई थीं। कर्नल कुरैशी गौस सब बागेवाड़ी के बेटे ताजुद्दीन बागेवाड़ी की पत्नी हैं। उन्हें आसियान प्लस बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास 'फोर्स 18' में सैन्य दल का नेतृत्व करने वाली पहली भारतीय महिला अधिकारी होने का गौरव प्राप्त है।

कर्नल कुरैशी जम्मू में तैनात हैं

जबकि उनके पति झांसी में कार्यरत हैं। गौस सब बागेवाड़ी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान गर्व व्यक्त करते हुए कहा, मुझे कल दोपहर को पता चला। जब मैंने उन्हें (सोफिया कुरैशी) टीवी पर देखा तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सुबह से ही लोग हमें बधाई देने के लिए हमारे घर आ रहे हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को अपने बेटे से बात करने का जिक्र किया, लेकिन बहू से बात करने का मौका नहीं मिल सका। बागेवाड़ी के अनुसार, बुधवार को जब कर्नल कुरैशी टेलीविजन पर दिखाई दीं तो उनके घर में उत्सव का माहौल बन गया। उन्होंने कहा, यह ईद जैसा जश्न था। हमारे सभी रिश्तेदार और दोस्त हमारे घर आकर हमसे मिल रहे हैं। समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की भारी भीड़ उनके आवास के बाहर एकत्र हुई और 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' व 'जय हिंद' के नारे लगाए। पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए बागेवाड़ी ने कहा, जिन आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों का धर्म पूछकर उन्हें गोली मार दी, उनमें मानवता नहीं है। वे शैतान हैं। अल्लाह भी उन्हें माफ नहीं करेगा। उन्हें अपने कर्मों की सजा यहीं मिलेगी।

पड़ोसी देश के बारे में उन्होंने कहा, पाकिस्तान एक राक्षस है। यह कभी सामने से हमला नहीं करता। यह हमेशा पीछे से निशाना बनाता है। बागेवाड़ी ने अपने इलाके में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर जोर दिया, जहां मराठों समेत विभिन्न समुदायों के लोग रहते हैं।

'कांतारा' फिल्म के कलाकार की मौत

उडुप्पी/नई दिल्ली। सिनेमा कर्मियों के एक संगठन एआईएसडब्ल्यूए ने एक कलाकार की मौत की जांच की बृहस्पतिवार को मांग की, जिसकी फिल्म कांतारा : चैप्टर 1 की शूटिंग के दौरान कथित तौर पर डूबने से मौत हो गई। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि यह घटना कलाकार की निजी यात्रा के दौरान हुई थी। इस बीच, कर्नाटक पुलिस ने कहा कि कोल्लूर थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान एम.एफ. कपिल के रूप में हुई है। कपिल की बुधवार दोपहर भोजनावकाश के दौरान उडुप्पी जिले के कुंदापुर तालुक में कोल्लूर के निकट एक नदी में कथित तौर पर डूबने से मौत हो गयी थी। पुलिस ने बताया कि इस घटना के कारण फिल्म की शूटिंग कुछ समय के लिए रुक गई। पुलिस के अनुसार, कपिल तैरने के लिए नदी में उतरा था, लेकिन वह तेज बहाव में बह गया। अग्निशमन विभाग और स्थानीय अधिकारियों ने तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू किया और देर रात कपिल का शव बरामद हुआ।

'ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन' (एआईसीडब्ल्यूए) ने एक कलाकार की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उसे इस बात की चिंता है कि फिल्म सेट पर होने वाली मौत की घटनाओं को लगातार गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है। बयान में कहा गया है, इस घटना में डूबने के दावे की गहन जांच की जानी चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह मौत का असली कारण है या इसमें अन्य कारक शामिल हैं। एआईसीडब्ल्यूए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से अनुरोध करता है कि वह कपिल की मौत की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष जांच कराएं, ताकि उनके परिवार को न्याय मिल सके।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फैक्स: 080-28094180, फोन, 080-28094196 4184, 4541

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी /ईटीएन-20 2025-2026 दिनांक 07.05.2025
कार्य का नाम	**डीओएस हाउसिंग कॉलोनी, जालाहल्ली, बेंगलूरु में स्थित एच ब्लॉक ओपन एरिया, स्थित ड्राई बेस्ट यार्ड व डीजी यार्ड में चैन लिंक फैंसिंग एवं डीजी यार्ड में पैवरर्स ब्लॉक उपलब्ध कराना (सिविल कार्य)**
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 7.66 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	दो (02) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	09.05.2025 के 14.30 बजे से 19.05.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	09.05.2025 के 15.30 बजे से 20.05.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	21.05.2025 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	22.05.2025 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	23.05.2025 को 11.30 बजे से
ईएमडी	रुपए 15,320/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र और अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं रखरखाव प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058, फैक्स : 080-28094180
फोन : 080-28094182, 4541

संशोधन II दिनांक 08.05.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

एनआईटी नम्बर	इस्ट्रेक/सीएमजी/ई/एमएआईएन/ई-टीएन-05/ 2025-26 दिनांक 03.04.2025
कार्य का नाम	**इस्टेक बेंगलूरु के आईडीएसएन परिसर के नए जीसेट 19 सुविधा में 60केवीए (40केवीए+20केवीए), माड्यूलर यूपीएस सिस्टम की आपूर्ति, स्थापन व जांच व शुरूआत करना।**
निविदा भरने की अनुमानित मूल्य	23.66 लाख रुपए
निविदा दस्तावेज विवरण	ई निविदा
कार्य पूरा करने का समय	तीन(3) माह
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	04.04.2025 के 16.00 बजे से 19.04.2025 के 16.00 बजे तक को बढ़ाकर 03.05.2025 के 16.00 तक को पुनः आगे बढ़ाया गया है 13.05.2025 के 16.00 बजे तक ।
बोली स्पष्टीकरण	05.04.2025 के 11.00 बजे से 20.04.2025 के 16.00 बजे तक को बढ़ाकर 04.05.2025 के 16.00 तक को पुनः आगे बढ़ाया गया है 14.05.2025 के 16.00 बजे तक ।
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	21.04.2025 के 16.00 बजे तक को बढ़ाकर 05.05.2025 के 16.00 तक को पुनः आगे बढ़ाया गया है 15.05.2025 के 16.00 बजे तक ।
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	22.04.2025 के 16.00 बजे तक को बढ़ाकर 06.05.2025 के 16.00 तक को पुनः आगे बढ़ाया गया है 16.05.2025 के 16.00 बजे तक ।
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	24.04.2025 के 11.00 बजे के बाद को बढ़ाकर 08.05.2025 को 11.00 बजे के बाद को पुनः आगे बढ़ाया गया है 19.05.2025 के 16.00 बजे तक ।
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 47,320.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र और अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

समूह प्रमुख-सीएमजी

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/108/2025 दिनांक: 11.04.2025 के लिए शुद्धिपत्र

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1) बागलकोट - कुडची नई लाइन परियोजना: चै. 35068 पर एलसी नं. 1 के बदले 1x18मी. कांपोजिट गिर्डर (रेलवे भाग) + 2x18.46 मी. पीएससी गिर्डर और यू टाईप रीटेनिंग वॉल + अप्रोचों पर सीसी ब्लॉक वॉल से प्रस्तावित आरयूबी का निर्माण। 2) खज्जिडोणी और लोकापुर स्टेशनों के बीच चै. 36593 पर एलसी नं. 2 के बदले 1x24.0मी. कांपोजिट गिर्डर + 2x18.46 मी. पीएससी गिर्डर और यू टाईप रीटेनिंग वॉल + अप्रोचों पर सीसी ब्लॉक वॉल से आरयूबी का निर्माण। 3) लोकापुर और यादवाड स्टेशनों के बीच चै. 38173 पर 1x18मी. कांपोजिट गिर्डर (रेलवे भाग) + 2x18.46 मी. पीएससी गिर्डर और यू टाईप रीटेनिंग वॉल + अप्रोचों पर सीसी ब्लॉक वॉल से आरओबी नं. 107ए का निर्माण। (निविदा उल्लेख सं.: ROB107A-LC-1-2-BGK-KUD)	रु. 51,32,69,598/-

निविदाओं की समापन की अंतिम तारीख:

मौजूदा	संशोधित
08.05.2025 (15:00 बजे तक)	22.05.2025 (15:00 बजे तक)

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य इंजीनियर / निर्माण / कार्य
बेंगलूरु छावनी

PUB/95/AAMO/PRB/SWR/2025-26

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

पूर्व सेना प्रमुख जनरल एसएम श्रीनागेश के संस्मरण, एक सैनिक के राजनीतिज्ञ बनने तक का सफर

नई दिल्ली/मैसूरु। आगामी संस्मरण, 'कमांडेड बाई डेस्टिनी : ए जनरल्स राइज फ्रॉम सोल्जर टू स्टेट्समैन' पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एस.एम. श्रीनागेश के जीवन और सेनाप्रमुख के तौर पर उनके कार्यकाल का एक रोचक विवरण पेश करता है। यह संस्मरण स्वतंत्रता के बाद की राष्ट्रवाद की भावना और देश की स्वतंत्रता को सुरक्षित करने में भारतीय सेना की भूमिका को भी दर्शाता है। इस महीने प्रकाशित होने वाली आत्मकथा इस बात पर प्रकाश डालती है कि किस प्रकार दिवंगत जनरल श्रीनागेश ने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा इस मिथक को तोड़ा कि भारतीय मजबूत सैन्य नेतृत्व में असमर्थ हैं।

इसे 'पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) के वीर' प्रिंट के तहत जारी किया जाएगा। इसके कुछ भाग जहां 2009 में प्रकाशित हुए थे, नवीनतम संस्करण में श्रीनागेश द्वारा लिखित घटनाओं का पूर्ण ब्यौरा प्रस्तुत किया गया है। श्रीनागेश की मृत्यु दिसंबर 1977 में हुई थी। ईबरी प्रेस और पेंगुइन वीर की कार्यकारी संपादक गुरवीन चड्ढा ने एक बयान में कहा, उनके परिवार द्वारा वर्षों से संरक्षित यह पुस्तक उनके उल्लेखनीय सैन्य करियर और भारत के रक्षा इतिहास के एक महत्वपूर्ण युग का अंतरंग और व्यावहारिक विवरण प्रस्तुत करती है।

पाकिस्तान के साथ 1947-48 के युद्ध के दौरान जम्मू-कश्मीर के कोर कमांडर जनरल श्रीनागेश के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने ही सबसे पहले इतनी ऊंचाइयों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को मात देने के लिए ज़ोजी ला में टैंकों की तैनाती की थी।

सिर्फ माफी काफी नहीं : सोनू निगम के गाए दो गाने हटाने वाले कन्नड़ निर्देशक ने कहा

बेंगलूरु। कन्नड़ फिल्म निर्देशक के. रामनारायण ने बृहस्पतिवार को कहा है कि गायक सोनू निगम की माफी पर्याप्त नहीं है और उन्हें अपने कटु शब्दों का परिणाम भी भुगतना चाहिए। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'कुलदल्ली कील्यावुडो' से सोनू निगम के गाए दो गानों को हटाने का फैसला किया है। रामनारायण ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''सिर्फ 'सॉरी' कहना काफी नहीं है। पहलगाम की राष्ट्रीय त्रासदी को कन्नड़ स्वाभिमान से जोड़ना बहुत बड़ी गलती है। उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।'' निर्देशक के अनुसार, उनकी फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके प्रचार के लिए तीन गाने जारी किए गए थे, जिनमें से दो सोनू निगम द्वारा गाए गए हैं। इनमें मुख्य गीत 'कुलदल्ली कील्यावुडो' भी शामिल है। उन्होंने कहा, यह गीत कन्नड़ फिल्म उद्योग के लिए बहुत पवित्र है। हमारा ऑर्केस्ट्रा रिकॉर्डिंग के अंत में यह गाना जरूर बजाता है।

बीकानेर सिलेंडर ब्लास्ट : 9 मौतें, लाखों का सोना मलबे में दबा, दुकानदारों ने कहा- ऐसा लगा जैसे एयर स्ट्राइक हो गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। मदान मार्केट में हुए सिलेंडर ब्लास्ट ने पूरे शहर को झकझोर दिया। बुधवार सुबह करीब 11 बजे हुए इस धमाके ने दो फ्लोर वाले बेसमेंट को पूरी तरह मलबे में तब्दील कर दिया। गुरुवार को मलबे से 5 और शव निकाले गए, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। मौके पर गुरुवार सुबह भी प्रशासनिक अमला और रेस्क्यू टीमें जुटी रहीं, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि अंदर और कितने लोग फंसे हैं।

उधर, पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक्स हैंडल पर लिखा- बीकानेर में गैस सिलेंडर फटने से 9 लोगों की दुखद मौत की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इस कठिन समय में ईश्वर उन्हें यह असहनीय दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। जिसने भी धमाके की आवाज़ सुनी, वह सिहर उठा। एक दुकानदार ने बताया, धमाका इतना जबरदस्त था कि एक पल को लगा जैसे एयर स्ट्राइक हो गई हो। मार्केट के पास रहने वालों को तो शुरुआत में समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या है। देखते ही देखते पूरा बेसमेंट और उसकी दो मंज़िलें ज़मींदोज़ हो गईं। सड़कों पर धुआं, चीख-पुकार और धूल का गुबार छा गया। बेसमेंट में हुए धमाके ने रेस्क्यू ऑपरेशन को और भी मुश्किल बना दिया है। एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें लगातार काम कर रही हैं, लेकिन हर कदम पर मलबा और अस्थिर ढांचे आड़े आ रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अंदर फंसे लोगों की संख्या को लेकर अब भी स्पष्टता नहीं है। मलबा हटाते वक्त शव मिलने की आशंका लगातार बनी हुई है।

यह मार्केट बीकानेर की ज्वेलरी मेकिंग का केंद्र था। यहां करीब 25 दुकानें थीं, जिनमें हर रोज हजारों की संख्या में सोने के गहनों का काम होता था। जानकारी के अनुसार, दुकानदार यहां घरेलू उपयोग के अवैध गैस सिलेंडरों से काम करते थे, जो कि सुरक्षा मानकों का खुला उल्लंघन है। प्रशासन ने अब जांच के आदेश दे दिए हैं कि इतने बड़े स्तर पर गैस सिलेंडर कैसे इस्तेमाल हो रहे थे।

धमाके ने सिर्फ ज़िंदगियाँ ही नहीं छीनीं, बल्कि व्यापारियों की वर्षों की मेहनत भी चंद सेकेंड में राख कर दी। दुकानदार विकास सोनी ने बताया, मेरी दुकान में करीब 160 ग्राम सोना था, सब मलबे में दब गया। अगर मैं 10 मिनट पहले पहुंचता, तो शायद मैं भी नहीं बचता। उन्होंने आगे बताया कि हर दुकान में औसतन 100 ग्राम से ज़्यादा सोना रहता था। ऐसे में मलबे के नीचे लाखों रुपए की संपत्ति दबी हुई है, जिसकी सुरक्षा और रिकवरी भी अब प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती है।

सवाल ये उठ रहा है कि इतनी बड़ी दुर्घटना के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या प्रशासन को इस अवैध सिलेंडर के उपयोग की जानकारी नहीं थी? अगर थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं की गई? और अगर नहीं थी, तो रेगुलेटरी सिस्टम की विफलता कौन स्वीकारेगा? अब तक प्रशासन ने जांच के आदेश तो दे दिए हैं, लेकिन व्यापारियों और मृतकों के परिजनों को न्याय और मुआवज़ा कब मिलेगा, यह सवाल बना हुआ है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जताया शोक

बीकानेर में गैस सिलेंडर फटने से हुए हादसे पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल ने मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस हादसे को अत्यंत हृदयविदारक बताते हुए कहा कि जिला प्रशासन दुर्घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्यों में तत्परता से जुटा हुआ है। घायलों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने प्रभु श्री राम से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की।इस दुखद घटना ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है, और प्रशासन राहत कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। हादसे के कारणों की जांच और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपेक्षा की जा रही है।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बूंदी जिले के रायथल थाना क्षेत्र में गुरुवार को बारात की ट्रैक्टर ट्रॉली पलट जाने से एक बच्ची सहित पांच लोगों की मौत हो गई जबकि करीब बीस लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में चौतरा का खेड़ा गांव से एक बारात माटुंदा गांव जा रही थी कि रास्ते में एक स्थान पर मोटरसाइकिल को बचाने के प्रयास में उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक बच्ची और चार महिलाओं की मृत्यु हो गई। हादसे के घायलों को बूंदी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को कोटा भेजा गया है।

मृतकों में करीब आठ साल की किरण के अलावा महिलाओं में कोमल, ज्योति, शांति और कृष्णा शामलि बताई जा रही है। हादसे के बाद बूंदी कलेक्टर अक्षय गोदारा अस्पताल पहुंचे और घायलों से मिले और चिकित्सकों को बेहतर इलाज का निर्देश दिया।

हादसे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताते हुए कहा कि बूंदी में भीषण सड़क दुर्घटना में जनहानि एवं कई नागरिकों के घायल होने का समाचार सुनकर मन दुखी है। शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं घायलों को अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की।

जयपुर में एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की मिली धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सवाई मान सिंह स्टेडियम को गुरुवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद को मेल करके दी गई है। इसका पता चलने पर खेल परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन ने इसके बारे में बताया कि सुबह नौ बजकर तेरह मिनट पर ईमेल आया और कर्मचारियों ने ईमेल को खोलकर देखने पर पता चला कि उसमें स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी दी गई हैं। ईमेल पाकिस्तान जेके वेब नाम की मेल आईडी से भेजा गया है जिसमें लिखा है ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए स्टेडियम में बम विस्फोट करेंगे।

अगर हो सके तो सबको बचा लो। इसके बाद प्रशासन एवं पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए स्टेडियम को खाली कराया और बम स्क्वाड, डॉग स्क्वाड और एटीएस की टीमें मौके पर पहुंचकर पूरे स्टेडियम की तलाशी ली गई जहां बम जैसी कोई चीज नहीं मिली। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर चलाने के बाद प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था चॉक-चौबंद हैं और सतर्कता बरती जा रही है।

राजस्थान पुलिस की अपराध शाखा के 195 पुलिस अधिकारी एवं कार्मिक सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सीआईडी अपराध शाखा के 195 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक, राजस्थान पुलिस सेवा पदक, उत्कृष्ट एवं अति उत्कृष्ट सेवा पदक तथा उत्तम, अति उत्तम एवं सर्वोत्तम सेवा चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया हैं। इसके लिए जलमहल के सामने स्थित सीआईडी सीबी लाईन में गुरुवार सुबह आयोजित अलंकरण समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एम एन ने इन पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया।

एम एन ने इस अवसर पर सम्मानित होने वाले अधिकारियों एवं कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा आपने अपने कर्तव्य निष्ठा, साहस एवं समर्पण के माध्यम से विशिष्ट पहचान बनाई है। आपके द्वारा प्राप्त किए गए यह पदक केवल आपकी व्यक्तिगत उपलब्धियों का प्रतीक ही नहीं बल्कि उस उच्च मानक को भी प्रदर्शित करता है, जिसके लिए हमारा पूरा पुलिस बल प्रतिबद्ध है। आपका उदाहरण दूसरे पुलिसकर्मियों को भी अपना उच्चतम प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करता है। समारोह में उत्कृष्ट, सराहनीय एवं प्रशंसनीय सेवाएं प्रदान करने वाले छह पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक, एक पुलिस कर्मी को राजस्थान पुलिस सेवा पदक, आठ को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, नौ को उत्कृष्ट सेवा पदक तथा 27 को सर्वोत्तम सेवा चिह्न, 32 अति उत्तम सेवा चिह्न एवं 112 पुलिसकर्मियों को उत्तम सेवा चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महानिरीक्षक पुलिस अपराध शाखा परम ज्योति एवं सत्येंद्र सिंह, उपमहानिरीक्षक पुलिस प्रहलाद कृष्णिया एवं पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण दास, राजेश कांवट, सतनाम सिंह तथा अन्य पुलिस अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श चौधरी, उपनिरीक्षक राजेश कुमार शर्मा, महेश कुमार टांक, हैड कांस्टेबल सायर सिंह, कांस्टेबल मनीषा कुमारी एवं राजेश कुमार यादव को एवं राजस्थान पुलिस सेवा पदक से हैड कांस्टेबल चन्द्र सिंह को सम्मानित किया गया। इसी तरह अति उत्कृष्ट सेवा पदक से उपनिरीक्षक कबीर खान, मोहम्मद यूसुफ खान, एएसआई कांता देवी, त्रिलोक चंद, हेड कांस्टेबल भौरे लाल शर्मा, कांस्टेबल कजोड मल सैनी, सुनीता माथुर एवं मुफरूद्दीन को सम्मानित किया गया।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पंजाब, राजस्थान 'हाई अलर्ट' पर, छुट्टियां रद्द, स्कूल बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

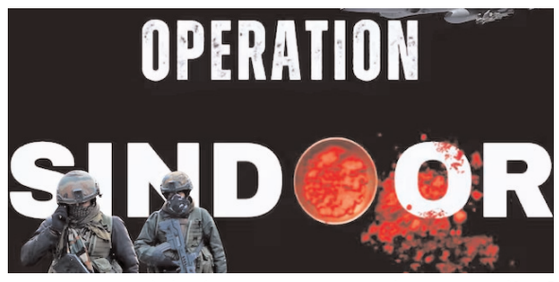

चंडीगढ़/जयपुर। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत द्वारा पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले करने के बाद पंजाब और राजस्थान 'हाई अलर्ट' पर हैं क्योंकि दोनों राज्य पड़ोसी देश के साथ सीमाओं को साझा करते हैं। पाकिस्तान के साथ पंजाब 532 किलोमीटर जबकि राजस्थान लगभग 1,070 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि पंजाब पुलिस ने अपने सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं, जबकि राज्य सरकार ने छह सीमावर्ती जिलों में स्कूल बंद कर दिए हैं। सूत्रों ने कहा कि राजस्थान सरकार ने भी सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सभी प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की छुट्टियों को रद्द कर दिया है।

पहलगाम हमले के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत मंगलवार रात को सैन्य हमले किए गए थे। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है, प्रशासनिक कारणों के मद्देनजर, पंजाब पुलिस के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों की छुट्टियां सात मई से रद्द कर दी गई है। आदेश में कहा गया है, छुट्टियां केवल विशेष परिस्थितियों में सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी पर प्रदान की जानी चाहिए।

बढ़ते तनाव के बीच पंजाब के छह सीमावर्ती जिलों - फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, अमृतसर, गुरदासपुर और तरन तारन में सभी स्कूल अगले आदेश तक बंद कर दिए गए हैं। पंजाब के मंत्री अमन अरोड़ा ने बुधवार को कहा, पंजाब पाकिस्तान के साथ 532 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। इसलिए, किसी भी सैन्य तनाव के दौरान पंजाब सरकार की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। सीमा के पास के सभी जिलों को 'हाई अलर्ट' पर रखा गया है। मौजूदा हालात के मद्देनजर सरकार ने सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों को भी रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा, रक्षा की दूसरी पंक्ति के रूप में पंजाब पुलिस भी पूरी तरह से तैयार है। किसी भी तरह के पाकिस्तानी हमले की स्थिति में उसका उचित जवाब देने के लिए पंजाब पुलिस हर लड़ाई में सेना के साथ शामिल होगी।

राजस्थान में एहतियाती कदम के तहत चार सीमावर्ती जिलों - गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर में सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इन चार जिलों के प्रशासन ने किसी भी आपातकालीन स्थिति की तैयारी की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बढ़ते तनाव के मद्देनजर सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियों को रद्द करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने कहा कि मुख्य सचिव सुधांश पंत और डीजीपी यू. आर. साहू ने भी संभागीय आयुक्तों, जिलाधिकारियों, पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और उन्हें अपने संबंधित मुख्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया। राज्य भर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

एमएलए घूसकांड : विधायक और उसके भाई को भेजा जेल, रुपए छिपाने वाले दो दिन की रिमांड पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। टोडाभीम में माइंस व्यापारी के खिलाफ विधानसभा में लगाए सवालों को वापस नहीं लेने की एवज में 20 लाख रुपए की घूस लेने के मामले में एसीबी ने बागीदौरा (बांसवाड़ा) के भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के विधायक जयकृष्ण पटेल समेत चार जनों को बुधवार को एसीबी कोर्ट में पेश किया, जहां से विधायक और उसके भाई विजय कुमार पटेल को जेल भेज दिया और घूस के 20 लाख रुपए छिपाने वाले विधायक के पीए रोहित के मामा जसवंत और जगराम को दो दिन की रिमांड पर भेज दिया।

20 लाख में से निकाले 83 हजार रुपए: एसीबी ने गिरफ्तार किए जसवंत और जगराम से बरामद किए 20 लाख रुपयों के बारे में जानकारी जुटाई तो 83 हजार रुपए के नोट कम मिले हैं। ये 83 हजार रुपए किसने बैग से निकाले इसकी रिकवरी के लिए जगराम और जसवंत को रिमांड पर लिया है। एसीबी अब इन नोटों की तस्दीक कर रही है। एसीबी ने बुधवार को भी रुपए लेकर फरार हुए विधायक पटेल के पीए रोहित मीणा को पकड़ने के लिए दबिश दी लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। विधायक पटेल ने गिरफ्तार जगराम और जसवंत को भी पहचानने से इनकार कर दिया।

विधायक पटेल से मिलने पहुंचे परिवादी रविन्द्र को उनके सुरक्षाकर्मी ने वाहन और घर की चाबियों सहित मोबाइल व पेन जमा कराए। मुलाकात के दौरान विधायक ने राशि के बारे में पूछा, जिस पर रविन्द्र ने बताया कि वह पहले से तय 20 लाख रुपए लाया है और शेष 20 लाख शाम तक देगा। विधायक ने करौली के खनन अभियंता डीएस मीणा को कॉल कर कहा कि विधानसभा में उठाए गए मुद्दे पर अब नरमी बरतें।

एसीबी ने कहा कि विधायक पटेल पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इनके मोबाइल में भी कई सबूत हैं, उनके बारे में भी पूछताछ की जाएगी। विजय पटेल ने भी अभी पूरी जानकारी नहीं दी है। एसीबी दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी। जगराम और जसवंत से रोहित मीणा के बारे में जानकारी जुटानी है। रुपए किस तरह से लिए और कहां पहुंचाने थे। इसकी पूरी टाइमिंग का खुलासा होना है।

पाकिस्तानी हमले की आशंका पर राजस्थान अलर्ट मोड में: कलेक्टरों को गाइडलाइन जारी, सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट पर निगरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद देशभर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। राजस्थान सरकार ने भी हालात की गंभीरता को देखते हुए राज्य के सभी जिलों में विशेष गाइडलाइन जारी की है। गृह विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में साफ कहा गया है कि पाकिस्तानी हमले की स्थिति में न केवल मेडिकल इमरजेंसी बल्कि सामाजिक, प्रशासनिक और साइबर मोर्चों पर भी पूरी तैयारी होनी चाहिए। राज्य के सभी कलेक्टरों और एसपी को विशेष आदेश दिए गए हैं कि वे अपने जिलों में आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों को तुरंत अमल में लाएं। जिन स्कूलों और अस्पतालों को अस्थायी राहत केंद्र के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, वहां जनरेटर, मेडिकल स्टाफ, दवाइयों और ब्लड बैंक की व्यवस्था तुरंत सुनिश्चित की जाए।

गाइडलाइन के मुताबिक जीवन रक्षक दवाओं और सभी ब्लड ग्रुप्स के पर्याप्त स्टॉक की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर की जाए। सभी सरकारी अस्पतालों में स्टाफ को अलर्ट पर रखा गया है और इमरजेंसी ड्यूटी प्लान भी तैयार करने के निर्देश हैं। राज्य सरकार ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ और देशविरोधी पोस्टों को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर और एसपी खुद इसकी मॉनिटरिंग करेंगे और निचले स्तर पर भी साइबर निगरानी तंत्र को सक्रिय रखा जाएगा। जो कोई भी राष्ट्रविरोधी पोस्ट करेगा, उसकी तुरंत गिरफ्तारी होगी।

आपूर्ति विभाग और कलेक्टरों को निर्देश हैं कि रोजमर्रा की वस्तुओं की उपलब्धता बनी रहे। अनावश्यक जमाखोरी पर रोक लगे और खाद्य आपूर्ति की चेन में किसी भी तरह की बाधा न आए। जलदाय विभाग को इमरजेंसी स्थितियों में निर्बाध जल आपूर्ति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। गाइडलाइन के अहम बिंदुओं में सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों को सेना और सुरक्षा एजेंसियों के साथ निरंतर संपर्क में रहने को कहा गया है। खासकर बीकानेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर और बाड़मेर जैसे जिलों में आर्मी मूवमेंट और सिविल सपोर्ट की प्लानिंग पहले से होनी चाहिए।

कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि पाकिस्तान बॉर्डर से सटे गांवों में रहने वाले लोगों को हमले की आशंका की स्थिति में किस तरह शिफ्ट किया जाएगा, उसकी योजना तैयार रखें। सुरक्षित स्थानों की पहचान, रूट प्लानिंग और ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित हो।

सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए कांग्रेस आज निकालेगी तिरंगा यात्रा

जयपुर। भारतीय सेना के पराक्रम एवं शौर्य के सम्मान तथा देश के सशस्त्र बलों का मनोबल बढ़ाने के लिए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अपने प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में शुक्रवार को राजधानी जयपुर में तिरंगा यात्रा निकालेगी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि देश के निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल आतंकवादियों के विरूद्ध सेना द्वारा सफलतापूर्वक ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्यवाही की गई है और भारतीय सेना एवं सशस्त्र बलों द्वारा देश के दुश्मनों के विरूद्ध प्रदर्शित पराक्रम एवं शौर्य के सम्मान में तथा सशस्त्र बलों के मनोबल को बढ़ाने के लिए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा शुक्रवार को यहां अपराह्न चार बजे प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय जयपुर से शहीद स्मारक तक डोटासरा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल की निर्माण इकाई शुरू होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। करीब 300 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का उद्घाटन 11 मई को लखनऊ में किया जाएगा। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एक सरकारी बयान के अनुसार, यह संयंत्र उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत साढ़े तीन वर्षों में पूरा किया गया है।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब भारत पाकिस्तान के साथ सशस्त्र संघर्ष में उलझा हुआ है, नियंत्रण रेखा के पार दोनों ओर से भारी गोलाबारी हो रही है तथा पाकिस्तान में कई आतंकवादी शिविर नष्ट हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीहरि प्रताप शाही ने कहा कि राज्य ने निर्माण इकाई (कारखाने) के लिए दिसंबर 2021 में 80 हेक्टेयर भूमि मुफ्त में उपलब्ध कराई थी।

इस इकाई में लगभग 500 इंजीनियरों और तकनीशियनों के साथ-साथ हजारों कुशल, अर्ध-कुशल और सामान्य श्रमिकों को अप्रत्यक्ष रूप से नियुक्त किया जाएगा। ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस के बीच संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस एयरोस्पेस का उत्पाद है। उत्तर प्रदेश रक्षा विनिर्माण के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है और रक्षा गलियारा पहल के तहत 12 अन्य रक्षा कंपनियों को 117.35 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है।

बयान में कहा गया है कि सामूहिक रूप से इन रक्षा परियोजनाओं से क्षेत्र में 3,000 से अधिक नौकरियां पैदा होने का अनुमान है।

सर्वदलीय बैठक के बाद रीजीजू ने कहा:

'ऑपरेशन सिंदूर' पर राजनीतिक सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के समर्थन में एकजुटता प्रकट की और निर्णायक कार्रवाई के लिए सशस्त्र बलों को बधाई दी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेताओं को सशस्त्र बलों द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में विवरण साझा करने से इनकार कर दिया और कहा कि कार्रवाई अभी जारी है। संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने करीब 90 मिनट की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''विपक्ष की ओर से कुछ सवाल थे, लेकिन रक्षा मंत्री ने कहा कि यह एक जारी अभियान है, इसलिए हर घटनाक्रम पर अलग से ब्रीफिंग नहीं की जा सकती।'' उन्होंने कहा, ''यह बैठक एक व्यापक राजनीतिक सहमति बनाने के लिए बुलाई गई थी। सभी नेताओं ने ऐसे समय में

परिपक्वता दिखाई है जब देश बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है।''

उनके अनुसार, नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सभी भारतीयों की सुरक्षा के मुद्दे पर, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर अपनी चिंताओं को भी साझा किया, लेकिन सरकार को पूरा समर्थन देते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में राष्ट्र एकजुट है। रीजीजू ने कहा, ''पूरा देश, सरकार और सशस्त्र बलों के साथ एकजुट है।'' उनके अनुसार, रक्षा मंत्री ने बैठक में कहा, ''हम सिर्फ सरकार बनाने के लिए राजनीति नहीं करते, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए भी करते हैं।'' उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने एक स्वर में बात की और परिपक्वता दिखाई तथा सरकार और सशस्त्र बलों को पूरा सहयोग देने का वादा किया।

मंत्री ने कहा, ''नेताओं ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई के लिए सशस्त्र बलों को बधाई भी दी।''

सिंधु जल समझौता ऐतिहासिक भूल, सरकार पानी के इस्तेमाल की योजना तैयार करेगी : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को दिए गए पानी का इस्तेमाल करने के लिए 'अल्प, मध्य और दीर्घकालिक योजनाएं' बनाएगी।

चौहान ने कहा कि इन योजनाओं के जरिये किसानों, विशेषकर सीमावर्ती राज्यों के किसानों को सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि 1960 में हुए सिंधु जल समझौते को स्थगित रखना देश के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय है। सरकार ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद दशकों पुराने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। मृतकों में अधिकतर पर्यटक थे।

केंद्रीय मंत्री ने पाकिस्तान के साथ 1960 के इस समझौते को

तत्कालीन सरकार की 'ऐतिहासिक भूल' करार देते हुए कहा कि इसके कारण पड़ोसी देश ने अधिकतम पानी का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, ''मैं अपने किसानों से एक महत्वपूर्ण तथ्य साझा करना चाहता हूं। एक ऐतिहासिक गलती हुई थी और वह थी 1960 में सिंधु जल समझौता।''

कृषि मंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस समझौते के कारण सिंधु, चिनाब और झेलम सहित भारतीय नदियों का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान चला जाता है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार ने इस संधि को निलंबित कर दिया है।

चौहान ने कहा, ''भारत सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अल्पकालिक, मध्यम अवधि की और दीर्घकालिक योजनाएं बनाएगी कि पानी की प्रत्येक बूंद का उपयोग हमारे किसानों द्वारा किया जाए।'' उन्होंने कहा कि इस समझौते को स्थगित किया जाना किसान समुदाय के हित में है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस समझौते के स्थगित होने से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश जैसे सीमावर्ती राज्यों के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के किसानों को सिंचाई के लिए अधिक पानी मिलेगा।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के सफल क्रियान्वयन के लिए भारतीय सेना की सराहना भी की।

आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का नहीं हो राजनीतिकरण : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आतंकवाद से निपटने में केंद्र के प्रयासों के प्रति अपना पूरा समर्थन जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसे हालात में पूरे देश को एकजुट रहना चाहिए और इन कोशिशों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, जैसा कि हर पार्टी ने कहा है कि आतंकवाद को जड़ से खत्म किया जाना चाहिए। हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ हैं। यादव ने यह टिप्पणी बुधवार को भारतीय सेना द्वारा 'आपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाये जाने को लेकर की है। यादव ने सैन्य अभियानों का राजनीतिकरण नहीं किए जाने की जरुरत पर बल देते हुए कहा, इस तरह के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यों का इस्तेमाल किसी भी पार्टी द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए नहीं किया जाना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह एक राष्ट्रीय प्रयास बना रहे।

केंद्र न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नामों को शीघ्रता के साथ मंजूरी दे : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के उच्च न्यायालयों में सात लाख आपराधिक अपीलों के लंबित होने का उल्लेख करते हुए उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र से न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नामों को शीघ्रता से मंजूरी देने के लिए कहा। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां की पीठ ने कहा कि लंबित आपराधिक अपीलों की अधिकतम संख्या वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 160 है, लेकिन वर्तमान में केवल 79 न्यायाधीश ही कार्यरत हैं।

पीठ ने कहा, ''यह एक ऐसा पहलू है जहां केंद्र सरकार को कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि कॉलेजियम की सिफारिशों को शीघ्रता से मंजूरी दी जाए। हमें उम्मीद और भरोसा है कि लंबित प्रस्तावों को केंद्र सरकार जल्द से जल्द मंजूरी दे देगी।'' इसी तरह बंबई उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 94 है, जबकि वहां केवल 66 न्यायाधीश कार्यरत हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों की संख्या 72 है जबकि केवल 44 न्यायाधीश फिलहाल कार्यरत हैं।

पीठ ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय में वर्तमान में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 60 के मुकाबले 41 न्यायाधीश हैं। पीठ ने कहा, ''इनमें आपराधिक अपीलों का एक बड़ा हिस्सा लंबित है। इसलिए यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे अलग स्तर पर संभालना होगा।''

''ऑपरेशन सिंदूर' में ढेर हुआ जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का आतंकी भाई अब्दुल रऊफ'

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि संसद पर हुए हमले सहित देश में कई आतंकवादी हमलों में वांछित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय हमलों में मारा गया।

अब्दुल जैश-ए-मोहम्मद के संस्थापक मौलाना मसूद अजहर का भाई था और उसकी अनुपस्थिति में प्रतिबंधित संगठन का कथित तौर पर नेतृत्व कर रहा था।

भाजपा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मोस्ट वांटेड पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर भारतीय हमलों में मारा गया। पार्टी ने कहा कि वह मसूद के परिवार के उन सदस्यों में शामिल है जो इस हमले में मारे गए हैं।

साल 2001 में संसद पर आतंकी हमले के अलावा वह कंधार विमान अपहरण और पठानकोट आतंकी हमले में भी शामिल था।

असम अब सर्वाधिक मातृ मृत्यु दर वाला राज्य नहीं, शिशु मृत्यु दर में भी कमी आई : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। भारत में सर्वाधिक मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) वाले राज्य का ठप्पा असम के सिर से हट गया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि असम ने नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) की हालिया रिपोर्ट में एमएमआर में 28 अंक की कमी दर्ज की है। उन्होंने एसआरएस डेटा साझा करते हुए कहा कि राज्य में शिशु मृत्य दर (आईएमआर) में भी कमी आई है। शर्मा ने लिखा, असम के लिए बड़ी सफलता! नवीनतम एसआरएस 2019-21 रिपोर्ट के मुताबिक : असम में एमएमआर 195 से घटकर 167 हो गया है, 28 अंकों की कमी, यह किसी भी अन्य राज्य के मुकाबले सबसे अधिक गिरावट है! उन्होंने कहा कि असम अब सर्वाधिक मातृ मृत्यु दर वाला भारतीय राज्य नहीं रह गया है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को प्रकाशित नवीनतम एसआरएस रिपोर्ट के हवाले से बताया कि असम में आईएमआर 38 से घटकर 36 हो गया है। उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और अटूट समर्थन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं होती। हमारे स्वास्थ्यकर्मियों, आशा कार्यकर्ताओं और इसे संभव बनाने वाले सभी लोगों का आभार। एसआरएस रिपोर्ट के अनुसार, 2019-21 के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर एमएमआर की बात करें तो भारत में प्रति 1,00,000 प्रसव पर 93 मांओं की मृत्यु दर्ज की गई। वहीं, आईएमआर पर नजर डालें तो देश में उक्त अवधि में प्रति 1,00,000 प्रसव पर 27 शिशुओं की मौत हुई।

साई किशोर ने गुजरात टाइटंस की सफलता का श्रेय नेहरा को दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग की तालिका में शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस के बायें हाथ के स्पिनर साई किशोर ने टीम की सफलता का श्रेय मुख्य कोच आशीष नेहरा को देते हुए कहा कि वह खिलाड़ियों से सीधे और स्पष्ट तरीके से अपने विचार साझा करते हैं। गुजरात टाइटंस के 11 मैचों में आठ जीत के साथ 16 अंक है और टीम प्लेऑफ में जगह पक्की करने के काफी करीब है।

साई किशोर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' के प्रेस रूम कार्यक्रम में चुनिंदा मीडिया से कहा, '' आशू पाजी (नेहरा) अपने विचारों को लेकर काफी स्पष्ट रहते हैं। वह खिलाड़ियों से बिना किसी लाग-लपेट के संवाद करते है । वह अच्छा प्रदर्शन करने पर सबसे पहले तारीफ करने वालों में होते है, इसके साथ ही अगर आप टीम की योजना से भटकते है तो वह बता देते है कि उन्होंने ऐसी उम्मीद नहीं की थी । ऐसे में हर खिलाड़ी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार रहता है।'' किशोर को मौजूदा सत्र में टीम के हर मैच में खेलना का मौका मिला है और तमिलनाडु के इस गेंदबाज ने अब तक 14 विकेट लेकर टाइटंस की सफलता में अहम योगदान दिया है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और बायें हाथ के दिग्गज स्पिनर रहे डेनियल विटोरी भी किशोर की गेंदबाजी से प्रभावित है। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ने कहा था कि किशोर के पास सीमित ओवर के क्रिकेट में सफल होने की काबिलियत है। विटोरी से मिली तारीफ से जुड़े 'भाषा' के सवाल पर साई किशोर ने कहा, '' यह काफी हौसला बढ़ाने वाली बात है। विटोरी ऐसे गेंदबाज रहे हैं जिनसे मैंने बचपन से प्रेरणा ली है। उन्हें स्पिन गेंदबाजी में महारथ हासिल थी। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है ।' किशोर ने कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें इस पूर्व दिग्गज से बात करने का मौका मिला था।

सोशल मीडिया पोस्ट विवाद: महुआ ने निशिकांत दुबे के खिलाफ अदालत का रुख किया

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई द्वारा उन्हें निशाना बनाकर किए गए कथित अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ बृहस्पतिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। तृणमूल कांग्रेस की नेता मोइत्रा ने अंतरिम आवेदन में अदालत से दुबे और देहाद्राई को पोस्ट हटाने का निर्देश देने का आग्रह किया। न्यायमूर्ति मनमीत पी.एस. अरोड़ा ने दुबे के वकील से यह जानने के लिए निर्देश लेने को कहा कि क्या भाजपा सांसद फिलहाल पोस्ट को हटाने के लिए तैयार हैं। दुबे के वकील ने कहा कि यह पोस्ट मोइत्रा के खिलाफ दुबे की शिकायत पर लोकपाल के फैसले पर आधारित थी। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया दुबे का फैसले पर भरोसा मोइत्रा के खिलाफ उनके आरोपों का समर्थन नहीं करता है। इसने कहा, ''प्रथम दृष्टया, यह दस्तावेज आपके (मोइत्रा के खिलाफ) आरोपों का समर्थन नहीं करता है। तब तक, कृपया इस (पोस्ट) को हटा दें।''

धर्मशाला की बजाय अब 11 मई को अहमदाबाद में होगा आईपीएल मैच

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई के कारण धर्मशाला हवाई अड्डा बंद होने की वजह से पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच 11 मई को वहां होने वाला आईपीएल मैच अब अहमदाबाद में कराया जायेगा ।

बीसीसीआई ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा ,''पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच टाटा आईपीएल का 61वां मैच अब 11 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा । यह मैच धर्मशाला में होना था ।'' बयान में कहा गया ,'' लॉजिस्टिक से जुड़ी चुनौतियों के कारण स्थान बदलना पड़ा । मैच दोपहर 3 . 30 से खेला जायेगा ।'' गुजरात क्रिकेट संघ के सचिव अनिल पटेल ने इससे पहले पीटीआई से कहा था ,'' बीसीसीआई ने हमने अनुरोध किया था जो हमने स्वीकार कर लिया । मुंबई की टीम आज शाम यहां पहुंच रही है और पंजाब की यात्रा के कार्यक्रम के बारे में बाद में पता चलेगा ।'' पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच धर्मशाला में बृहस्पतिवार को होना है । पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर भारत के मिसाइल हमलों के बाद धर्मशाला हवाई अड्डे को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया है । यह देखना होगा कि पंजाब और दिल्ली की टीमें अब धर्मशाला से बाहर कैसे आती हैं क्योंकि उड़ानें रद्द कर दी गई है । चंडीगढ हवाई अड्डा भी बंद होने से टीमों को दिल्ली पहुंचने का दूसरा रास्ता निकालना होगा ।

राष्ट्रपति ने नौकरी के लिए जमीन 'घोटाले' में लालू प्रसाद के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जा रहे कथित भूमि के बदले नौकरी घोटाले में राजद प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि मुर्मू ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 197(1) और बीएनएसएस, 2023 की धारा 218 के तहत अनिवार्य अनुमति प्रदान की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल अगस्त में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, उनके बेटे और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत धन शोधन मामले में आरोप पत्र दायर किया था। यह मामला सीबीआई की प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 2004-2009 के दौरान भारतीय रेलवे में ग्रुप डी के कर्मचारियों की नियुक्ति में तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद (76) भ्रष्टाचार में लिप्त थे।

सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री का नहीं आना दुख की बात, राहुल ने उठाई विशेष सत्र की मांग: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर आहूत सर्वदलीय बैठक के दौरान संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की, जिससे दुनिया में एक अच्छा संदेश जाएगा और देश को भरोसा मिलेगा। खरगे ने यह भी कहा कि इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सर्वदलीय बैठक में नहीं आना दुख की बात है।

बैठक से बाहर निकलने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक में सरकार को पूरा समर्थन दिया है। खरगे ने बैठक के बाद कहा, ''हम चाहते थे कि इस सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री जी भी आएं और संक्षिप्त में अपनी बात रखें कि किस तरह भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की और हमारे जवानों ने हिम्मत दिखाई। प्रधानमंत्री खुद आकर सारी बातें बताते, जिससे सभी को उसका लाभ मिलता। वह पिछली सर्वदलीय बैठक में भी नहीं आए थे। यह बड़े दुख की बात है।'' उन्होंने कहा, ''...'इंडिया' गठबंधन सहित सभी विपक्षी दलों ने एक स्वर में सरकार से कहा है कि आप आगे बढ़िए, हम आपकी पूरी मदद करेंगे, हम आपके साथ हैं। हम सभी भारतीय सेना के साथ हैं।'' उनके अनुसार, बैठक में रक्षा मंत्री ने कहा कि इस वक्त ऐसे प्रश्न न पूछे जाएं, जो रक्षा से संबंधित खुफिया जानकारियों से जुड़े हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''हम सभी पार्टियों ने देशहित में इसे गंभीरता से लेकर इस विषय में कोई प्रश्न नहीं पूछा। हम सभी ने यह मुद्दा उठाया है कि सीमा पर लोगों (भारतीय नागरिकों) को पूरी सुरक्षा मिलनी चाहिए। कश्मीर में जिन्होंने जान गंवाई, उनके परिवारों की देखभाल होनी चाहिए। हमने सरकार से आग्रह किया है कि वे नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।'' उनके मुताबिक, सर्वदलीय बैठक में सरकार ने बताया है कि पाकिस्तान में सिर्फ उन्हीं जगहों पर हमला किया है, जहां आतंकवादी शिविर थे और आतंकियों को पनाह दी जाती थी।

रोहित के संन्यास पर राजीव शुक्ला ने कहा, यह निजी फैसला, बीसीसीआई की कोई भूमिका नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना एक निजी फैसला था और बीसीसीआई ने उन पर ऐसा करने के लिए कोई दबाव नहीं डाला था। रोहित ने 20 जून से इंग्लैंड में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट शृंखला से पहले बुधवार को संन्यास की घोषणा की। शुक्ला ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''जहां तक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का सवाल है तो रोहित ने अपना फैसला खुद किया है। '' उन्होंने कहा, ''हमारी नीति है कि जो खिलाड़ी संन्यास का फैसला लेते हैं, हम उन पर कोई दबाव नहीं डालते और हम उन्हें कुछ सुझाव भी नहीं देते हैं, हम कुछ नहीं कहते हैं। ''

शुक्ला ने कहा कि पांच दिवसीय क्रिकेट में उनका योगदान बहुत बड़ा है, उन्होंने कहा, ''हम उनकी जितनी प्रशंसा करें, उतनी कम है। वह एक महान बल्लेबाज हैं। अच्छी बात यह है कि उन्होंने अभी

तक क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला नहीं किया है (क्योंकि वह अब सिर्फ वनडे खेलेंगे)। इसलिए हम निश्चित रूप से उनके अनुभव और प्रतिभा का फायदा उठाएंगे।''

रोहित शर्मा से जो कुछ सीखा है, हमेशा याद रखूंगा : गिल

मुंबई/भाषा। भारत के सलामी बल्लेबाज और वनडे उपकप्तान शुभमन गिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह रोहित शर्मा से मिली हर सीख को जिंदगी भर याद रखेंगे । रोहित ने भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से एक महीने पहले बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया । विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र 2025 . 2027 के लिये भारत की यह पहली शृंखला होगी । भारत के अगले टेस्ट कप्तान बनने के प्रबल दावेदार गिल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि रोहित अपनी टीम और विरोधी खिलाड़ियों के लिये भी प्रेरणास्रोत रहे हैं । गिल ने इंस्टाग्राम पर लिखा ,'' एक कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर टेस्ट में आपने जो कुछ भी किया है, भारत उसके लिये शुक्रगुजार है ।''

सुविचार

जो आपको दुखी करता है वह एकमात्र पाप है। जो आपको अपने आप से दूर ले जाता है, केवल उसी से बचना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बड़ी गलती कर दी मुनीर ...

पाकिस्तान और पीओके में भारतीय हवाई हमलों में मारे गए आतंकवादियों के जनाजों में जिस तरह वहां के फौजी अधिकारी शामिल हो रहे हैं, उससे एक बार फिर पुष्टि हो गई है कि इस पड़ोसी देश को दहशतगर्दों से बड़ा लगाव है। पाकिस्तानी फौज ने आतंकवादियों के शवों को राष्ट्रीय ध्वज से ढका था। क्या मारे गए लोग कोई समाज सुधारक थे? ये आतंकवादी जब तक ज़िंदा रहे, पाकिस्तान इनका इस्तेमाल खून-खराबे के लिए करता रहा। अब जबकि इन्हें अपनी करतूतों की सज़ा मिल गई है, पाकिस्तान इनके शवों की प्रदर्शनी लगाकर सहानुभूति बटोर रहा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर इस काम में जोर-शोर से लगे हुए हैं। उन्होंने पहलगाम हमले से पहले 'दो क़ौमी' नज़रिए का राग अलापा था। अब वे पीओके में मारे गए आतंकवादियों के आखिरी दीदार कर रहे हैं। उन्होंने जो रोनी सूरत बनाई थी, उसे देखकर तो पाकिस्तानी ड्रामों के कलाकार भी हैरान रह गए होंगे। मुनीर ने सोचा नहीं होगा कि उनकी हरकतों के जवाब में पीओके से लेकर पाकिस्तान की जमीन पर भारत की मिसाइलें कहर बरपाएंगी। उन्होंने एक बार फिर हिमाकत की, जिसके जवाब में भारत ने लाहौर का एयर डिफेंस सिस्टम उड़ा दिया! पाकिस्तान ने ड्रोन्स के ज़रिए अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट समेत कई जगहों पर भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिशें कीं, लेकिन उन्हें एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम ने बेअसर कर दिया। भारत के पास इसके पक्के सबूत हैं। हमारी जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान में कई जगहों पर वायु रक्षा रडार और प्रणालियों ने जिस तरह दम तोड़ा, उससे वहां की जनता में भारी घबराहट है।

पाकिस्तानी अख़बार, टीवी चैनल और सोशल मीडिया अकाउंट चाहे जितने झूठे दावे कर लें, उन्हें धीरे-धीरे यह बात समझ में आने लगी है कि आसिम मुनीर ने बड़ी गलती कर दी। अब तो पाकिस्तान में आतंकवादी भी सुरक्षित नहीं हैं! वे अपने अड्डों में दुबके हुए हैं। क्या पता कब इमारत की छत फोड़कर भारतीय मिसाइल उन्हें परलोक पहुंचा दे! पाकिस्तानी नेता और अधिकारी कह रहे हैं कि जनता बड़ी-से-बड़ी कुर्बानी देने के लिए तैयार है। भारतविरोध और मजहब के नाम पर पाकिस्तान की जनता से कथित कुर्बानी खूब ले ली। अब कुर्बानी देने की बारी हाफिज सईद, जकीउर्रहमान लखवी जैसे आतंकवादियों की है। मौलाना मसूद अजहर का कुनबा तो 'साफ' हो गया है। भारत के सख्त रुख को देखकर यह भरोसा और मजबूत हो जाता है कि पाकिस्तान के शीर्ष आतंकवादियों के दिन गिनती के बचे हैं। जल्द ही उनका नंबर लगने वाला है। इस बार भारत सरकार ने पक्का इरादा कर लिया है कि पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाना है, जिसे वह वर्षों तक याद रखे। मिसाइल और ड्रोन हमलों से उसे चोट जरूर लगी है, लेकिन इससे ज्यादा घातक प्रहार होना बाकी है। जब सिंधु जल संधि के तहत मिलने वाले पानी में भारी कटौती होगी, तब असली खेल शुरू होगा। अगर भारत सरकार एक चौथाई या आधा पानी भी रोक दे तो पाकिस्तान घुटने टेकने को मजबूर हो जाएगा। सिंधु जल संधि स्थगित रहते हुए जब पाकिस्तान में सूखा पड़ेगा, घर-घर में जल संकट पैदा होगा तो कुछ कथित बुद्धिजीवी पानी छोड़ने के लिए विचित्र दलीलें देंगे। याद रखें, अगर अब पाकिस्तान पर दया दिखाई तो नतीजे बहुत घातक होंगे। इसे विवश किया जाए कि आतंकवादियों के अड्डों को खत्म करे, वांछित आतंकवादी हमें सौंपे, फौज में कटौती करे, स्कूली पाठ्यक्रम बदले और पीओके खाली करते हुए इस बात का भरोसा दिलाए कि आतंकवादियों को दोबारा पनाह नहीं देगा। इससे कम पर कोई बात नहीं होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

सेना को संपूर्ण सम्बल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को भी साधुवाद देता हूं। हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया है, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया था ''जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारे''।

-राजनाथ सिंह

बीकानेर में सिलेंडर फटने से जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें। हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूं।

-दीया कुमारी

बूंदी में भीषण सड़क दुर्घटना में जनहानि एवं कई नागरिकों के घायल होने का समाचार सुनकर मन दुखी है। जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

मुक्ति की राह

राजा परीक्षित को शृंगी ऋषि के श्राप से ज्ञात हुआ कि सातवें दिन उनका सर्पदंश से निधन होगा। वे मृत्यु के भय से व्याकुल थे। तब शुकदेवजी ने उन्हें एक कथा सुनाई 'एक राजा शिकार करते समय जंगल में भटक गया। रात होने पर उसे एक गंदी, दुर्गंधयुक्त झोपड़ी दिखी, जहां एक बीमार बहेलिया रहता था। राजा ने रात बिताने की प्रार्थना की। बहेलिए ने मना करते हुए कहा, 'जो भी यहां ठहरता है, सुबह इस झोपड़ी से मोह कर बैठता है।' राजा ने वचन दिया कि वह सुबह अवश्य जाएगा। लेकिन रातभर आराम की आदत से सुबह राजा झोपड़ी छोड़ना नहीं चाहता था और बहेलिए से झगड़ पड़ा।' शुकदेवजी ने पूछा, 'क्या राजा का व्यवहार उचित था?' परीक्षित बोले, 'नहीं, उसे वचन निभाना चाहिए था। वह मूर्ख था जो गंदी झोपड़ी से मोह कर बैठा।' शुकदेवजी मुस्कराए, 'वह राजा कोई और नहीं, स्वयं तुम हो। यह शरीर भी मल-मूत्र की झोपड़ी जैसा है। आत्मा को इसे छोड़कर आगे बढ़ना है।' यह सुन परीक्षित का मोह दूर हो गया और उन्होंने शांत चित्त से मृत्यु को स्वीकार कर आत्मिक उत्थान की तैयारी शुरू कर दी।

सामयिक

भारत ने आतंकियों पर हमला कर तोड़ी आर्थिक रीढ

प्रहलाद सबनानी

मोबाइल : 9987949940

भारत ने अंततः पाकिस्तान के कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर ही दिया। भारत के इस कठोर कदम से भारतीय नागरिकों को संतुष्टि मिली है, विशेष रूप से उन परिवारों को जिन्होंने हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में अपने सगे सम्बन्धियों को खोया है। विश्व के लगभग समस्त देशों ने भारत के इस कदम का समर्थन ही किया है क्योंकि आतंकवादियों से अपने देश के नागरिकों की रक्षा करना किसी भी देश की सरकार का प्रथम कर्तव्य है। भारत को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले करने का साहस कहां से मिलता है। यह मिलता है भारतीय नागरिकों की एकजुटता से, वर्तमान केंद्र सरकार पर देश के नागरिकों का भरपूर विश्वास है एवं वह यह सोचती है सही समय पर एवं सही स्थान पर भारतीय सेना आतंकवादियों पर हमला करके अपने नागरिकों के मारे जाने का बदला जरूर लेगी। दूसरे, संभवत: भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति से भी केंद्र सरकार को कठोर निर्णय लेने का बल मिलता है। इस संदर्भ में, हाल ही में अच्छी खबर यह आई है कि भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चोथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं संभवत: वर्ष 2026 के अंत तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था आज भी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व के लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भारत के संदर्भ में यह भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे है कि आगे आने वाले कई दशकों तक भारत इसी प्रकार विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा।

भारत ने पिछले 10/11 वर्षों के दौरान वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रमों को लागू किया है। जिसका परिणाम स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। माह अप्रेल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण नित नई ऊंचाईयां छूते हुए 2.37 लाख करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। यह सब देश के नागरिकों द्वारा अप्रत्यक्ष करों के नियमों का अनुपालन करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। अप्रेल 2025 माह में ही फैक्ट्री उत्पादन के मामले में पिछले 10 माह के उच्चत्तम स्तर को पार किया गया है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में तेजी से बढ़ती जा रही है और यह अपने पिहले 7 माह के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है। और तो और, सरकारी उपक्रमों एवं निजी कम्पनियों की लाभप्रदता में भी भारी सुधार देखने में आ रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसी प्रकार, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 69,621 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक ने 64,062 करोड़ रुपए, ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टैसी सर्विसेज लिमिटेड ने 45,908 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक ने 44,256 करोड़ रुपए, इंडियन आइल कॉर्पोरेशन ने 41,729 करोड़ रुपए, लाइफ इन्शुरन्स कॉर्पोरेशन ने 40,915 करोड़ रुपए, कोल इंडिया लिमिटेड ने 37,402 करोड़ रुपए एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड ने 31,399 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। आपको ध्यान में होगा कि आज से कुछ वर्ष पर तक केंद्र सरकार को कई सरकारी उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए लाखों करोड़ रुपए की सहायता केंद्रीय बजट के माध्यम से इन सरकारी उपक्रमों की करनी होती थी। आज स्थित एकदम बदल गई है एवं आज ये लगभग समस्त उपक्रम केंद्र सरकार के लिए कमाऊ पूत की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं एवं करोड़ों रुपए का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध करा रहे हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा इन उपक्रमों में सुधार कार्यक्रमों को लागू करने के चलते ही सम्भव हो सका है।

वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत भयावह स्थिति में पहुंच गया था तथा उस समय भारत के पास केवल 15 दिवस के आयात के बराबर ही विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था और भारत को अपने स्वर्ण भंडार को ब्रिटेन के बैंकों में गिरवी रखकर विदेशी मुद्रा भंडार की व्यवस्था करनी पड़ी थी। आज स्थिति इस ठीक विपरीत है आज भारत के पास लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है और यह 68,813 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर निकल गया है जो भारत के इतिहास में आज तक के उच्च्त्तम स्तर के बहुत करीब है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से विभिन्न उत्पादों एवं सेवा क्षेत्र के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर 82,490 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। जिसके चलते भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में अतुलनीय सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत से विभिन्न देशों को निर्यात में अभी और सुधार होता हुआ दिखाई देगा क्योंकि भारत ने हाल ही में ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है इससे भारत के सेवा क्षेत्र को अत्यधिक प्रोत्साहन मिलने जा रहा है और ब्रिटेन में भारतीय इंजिनीयर एवं डाक्टर के साथ ही अन्य क्षेत्रों में कार्य करने के लिए भारतीयों की मांग में वृद्धि दृष्टिगोचर होगी। अमेरिका के साथ भी भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और यूरोपीयन यूनियन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता दिसम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इसके बाद भारत से विकसित देशों को निर्यात निश्चित रूप से बढ़ेंगे और इसके चलते बहुत सम्भव है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर अर्थात एक लाख करोड़ अमेरिको डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएं। यदि ऐसा होता है तो भारत में विदेशी मुद्रा भंडार भी एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकते हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी कम होती हुई अर्थात लगभग 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर होती हुई दिखाई दे रही हैं जबकि भारत अपने उपयोग का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात विभिन्न देशों से करता है। साथ ही, भारत को स्वर्ण के आयात को भी नियंत्रण में रखना होगा। इससे, भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में और अधिक मजबूत होगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई कमी और वर्ष 2025 के खरीफ मौसम के दौरान मौसम विभाग द्वारा की गई सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी के कारण खुदरा कृषि क्षेत्र में मुद्रा स्फीति (महंगाई) की दर मार्च 2025 माह में कम होकर 3.73 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है। वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है। इससे देश के नागरिकों में उत्साह का माहौल जागा है तथा वे एकजुट होकर केंद्र सरकार के आतंकवाद के विरुद्ध लिए जा रहे निर्णयों का भारी समर्थन करते हुए दिखाई दे रहे है। इससे यह सिद्ध हो रहा है कि भारत की आर्थिक क्षेत्र में मजबूती के चलते केंद्र सरकार को भी आतंकवाद के विरुद्ध कड़े निर्णय लेने में कोई हिचक नहीं हो रही है। साथ ही, भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति के चलते विश्व के अन्य कई देश भी आतंकवाद की लड़ाई में भारत के साथ खड़े नजर आ रहे है। आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक स्थित जितनी अधिक सुदृढ़ होती जाएगी, वैश्विक पटल पर भारत के लिए अन्य देशों का समर्थन और अधिक मजबूत होता जाएगा। और फिर, उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी एवं भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अधिकार भी तो है। भारत की आर्थिक स्थिति जितनी अधिक मजबूत होगी, केंद्र सरकार के सुरक्षा सम्बंधी निर्णय भी उतने ही मजबूत रहेंगे।

ज्ञान विज्ञान

वैज्ञानिकों ने खोजा ऐसा फॉर्मूला कि जिससे तुरंत लग जाएगा कैंसर पर ब्रेक

चीनी वैज्ञानिकों ने लीवर कैंसर के उपचार में एक महत्वपूर्ण खोज की है। उन्होंने पाया है कि सिलीबिन नामक प्राकृतिक यौगिक चउढ1 प्रोटीन को रोककर कैंसर कोशिकाओं में लैक्टेट के संचय को बढ़ाता है, जिससे उनकी वृद्धि रुक जाती है। यह खोज कैंसर के प्रभावी उपचार के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकती है। सस्ता उपचार खोजने के बाद चीन के वैज्ञानिकों ने कैंसर को लेकर एक और नई खोज की है। चीनी वैज्ञानिकों ने लैक्टेट के परिवहन तंत्र की खोज की है, जिस दौरान ऐसे तत्व के बारे में पता चला जो कैंसर जैसी घातक बीमारी को पहली स्टेज में ही रोक सकता है। सीजीटीएन के मुताबिक लैक्टेट जो कैंसर कोशिकाओं के लिए महत्वपूर्ण ईंधन है और कैंसर की बढ़ने में मदद करता है, उसे खोजे गए सिलीबिन नामक एक प्राकृतिक यौगिक के जरिए रोका जा सकता है। यह कॉम्पाउंड सिर्फ लीवर कैंसर के केस में कारगर है।

तिआनजिन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ये शेंग और उनकी टीम ने एक रिसर्च में यह पता लगाया कि चउढ1 एक ट्रांसपोर्टर प्रोटीन कैंसर कोशिकाओं से लैक्टेट बाहर निकालता है। उन्होंने पाया कि सिलीबिन इस ट्रांसपोर्टर को रोक सकता है। सिलीबिन चउढ1 को बंद कर देता है, जिससे लैक्टेट कैंसर कोशिकाओं में जमा हो जाता है और उनकी वृद्धि रुक जाती है। चीन के वैज्ञानिकों का दावा है कि इस खोज से कैंसर का प्रभावी उपचार विकसित किया जा सकता है। सिलीबिन का उपयोग कैंसर कोशिकाओं में लैक्टेट के संचय को बढ़ाकर उनकी वृद्धि को रोकता है, जिससे भविष्य में कैंसर के नए उपचार विकसित करने में मदद मिलेगी।

लीवर कैंसर एक ऐसी स्थिति है, जिसमें लीवर की कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर बना लेती हैं। यह कैंसर प्रथम चरण (लीवर से शुरू होने वाला) या दूसरा चरण (किसी अन्य अंग से फैलकर लीवर में पहुँचना) हो सकता है। लीवर कैंसर के लक्षण धीरे-धीरे उभरते हैं और शुरुआत में बहुत सामान्य लग सकते हैं, जिससे पहचान करना मुश्किल होता है। आम लक्षणों में पेट के ऊपरी दाएं हिस्से में दर्द या सूजन, अचानक वजन घटना, भूख न लगना, लगातार थकान, मतली, उल्टी और आंखों या त्वचा का पीला पड़ना शामिल हैं। लीवर कैंसर के कुछ मामलों में पेट में पानी भरने की समस्या भी हो सकती है। लीवर कैंसर का इलाज रोगी की उम्र, स्वास्थ्य और कैंसर के स्टेज पर निर्भर करता है।

नजरिया

खतरों के खिलाड़ी हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

पुलवामा के बाद पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या के बाद ऑपरेशन सिन्दूर ने साबित कर दिया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खतरों के खिलाड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी आतंकियों के ठिकानों को मिटटी में मिलाने के अपने एक एक शब्दों पर कायम रहे और जो कहा उसे पूरा करके दुनिया को दिखा दिया। मोदी का जवाब पाकिस्तान में हाहाकार बनकर गूंज रहा है। भारतीय सेना के पराक्रम और ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। मिसाइल स्ट्राइक के बाद भारत ने साफ संदेश दे दिया है हमले का जवाब मुंहतोड़ मिलेगा। आतंकियों को किसी भी हालत में छोड़ा नहीं जायेगा। नेहरू से लेकर मन मोहन सिंह के शासनकाल पर एक विहंगम दृष्टि डाले तो पाएंगे मोदी में साहस, हिम्मत, जज्बे के साथ कुछ कर गुजरने की अपार शक्ति है। मोदी जो कहते है उस पर दृढ़ता से कायम रहते है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री के शासन के कार्यकाल के दौरान जब भी उन्होंने कुछ कहा उस पर न केवल कायम रहे अपितु एक एक शब्द को कार्यरूप में परिणित किया। यह साल देश और मोदी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस साल मोदी जहाँ अपने शासन के 11 साल पूर्ण कर रहे है वहीं 75 साल की आयु भी पूरी करने जा रहे है। मोदी ने 26 मई 2014 को भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और 17 सितम्बर को 75 वर्ष के हो जायेंगे। मोदी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री हैं जिनका जन्म आजादी के बाद हुआ है। देश की मीडिया में आजकल मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाओं और शिगूफों का बाजार गर्म हो रहा है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के संघ से संबंधों, इस साल 75 साल पूरे होने और लोकसभा चुनावों में भाजपा को अकेले पूर्ण बहुमत हासिल नहीं करने को लेकर देश ही नहीं वैश्विक मीडिया में भी लगातार बहस छिड़ी हुई है। लोग तरह तरह के अनुमान लगा रहे है। मोदी के चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर ने एक इंटरव्यू में कहा था ये नियम बनाया तो मोदी जी ने ही है, तो ये उन पर है कि वो इस नियम को मानेंगे या नहीं? हालांकि भाजपा में यह कहने वालों की कोई कमी नहीं है कि हाल फिलहाल भाजपा में मोदी का कोई विकल्प नहीं है और देश के अगले प्रधानमंत्री भी मोदी ही होंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार 25 मई 25 को अपने शासन के 11 साल पूरे करने जा रही हैं। इन 11 सालों में मोदी सरकार ने अनेक क्षेत्रों में सफलता के परचम फहराए इसमें कोई दो राय नहीं है। इस अवधि में मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि ये रही कि सरकार के किसी मंत्री पर कोई भी भ्रष्टाचार या घोटाले का आरोप नहीं लगा। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जनता की आशाओं अपेक्षाओं पर नितांत खरे उतरे। जन विश्वास अर्जित कर मोदी ने देशवासियों का आत्मसम्मान व राष्ट्र का गौरव बढ़ाने का काम किया है। अपने बलबूते पर तीसरी बार देश के प्रधान मंत्री बने नरेंद्र मोदी खतरे के खिलाड़ी है। वे हर समय कुछ नया करने की सोचते है। उनकी मंशा की थाह लेना मुश्किल है। गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान भी उन्होंने वह किया जो हर किसी के लिए संभव नहीं था। प्रधानमंत्री बनने के बाद वे एकाएक ही प्रादेशिक से राष्ट्रीय परिदृश्य पर धूमकेतु की तरह छा गए। राजनीति में ऐसे उद्धरण मिलना कठिन है। बताया जा रहा है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने 2013 में वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को घर बैठाकर गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को तरजीह दी थी। संघ को अपने इस कार्य में अपेक्षित सफलता मिली और मोदी ने देखते देखते देश की कमान संभाल ली। इस साल उन्होंने तीसरी बार देश के प्रधान मंत्री का पदभार संभाला है। देश और दुनिया में यह मानने वालों की कमी नहीं है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की जनता से संवाद शक्ति बेमिसाल है।

भाजपा को चुनावी विजय दिलाने में मोदी का जनता से सीधा और जीवंत संवाद है। जनता से उनका ऐसा ही जीवंत संवाद तब देखने को मिलता है जब वे चुनावी सभाओं को संबोधित करते है। जनता जनार्दन मोदी मोदी के नारे के साथ उनका करतल ध्वनि से स्वागत करते है। अपनी बेहद अनूठी और मन मोह लेने वाली संवाद कला से लोगों का दिल जीत लेते हैं प्रधानमंत्री मोदी। राजनीतिक समीक्षकों का मानना है आज मोदी जिस शिखर पर हैं, वहां पहुँचने में उनकी संवाद शैली की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान मोदी की जन संवाद की इस अनूठी और रोचक विशेषता को पहचान लिया था। संघ को मोदी में भारत का भविष्य दिखाई देने लगा। इसे पहचानकर संघ के शीर्ष नेतृत्व ने तत्काल मोदी को आगे करने का ऐतिहासिक फैसला लिया। और इसमें संघ को सफलता भी मिली। आज एक स्वयंसेवक देश के सत्ता शिखर पर सवार है। यह मोदी की संवाद शैली का असर है कि चुनावी संग्राम में वे सबसे आगे है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फोटो पोज

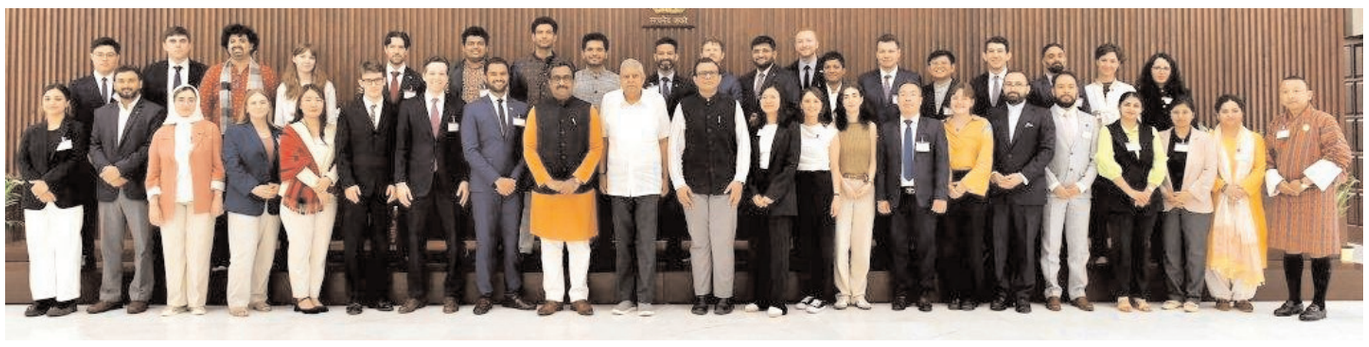

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरुवार को नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में इंडिया फाउंडेशन के कौटिल्य फेलो कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ एक समूह फोटो के लिए पोज देते हुए।

बिल गेट्स करीब 107 अरब डॉलर की संपत्ति गेट्स फाउंडेशन को दान करेंगे

सिएटल/एपी। दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार बिल गेट्स ने अपनी बची हुई 99 प्रतिशत प्रौद्योगिकी संपत्तियां गेट्स फाउंडेशन को दान करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की जिसकी अनुमानित कीमत 107 अरब डॉलर है। यह दान अब तक के सबसे बड़े परमार्थ कार्यों में से एक होगा। मुद्रास्फीति के हिसाब से समायोजित किए जाने पर यह दान मशहूर उद्योगपति जॉन डी. रॉकफेलर और एंड्रयू कार्नेगी के ऐतिहासिक योगदान से भी आगे निकल गया है। बर्कशायर हैथवे के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ही दान की गई राशि के मामले में गेट्स से आगे निकल सकते हैं। बफे ने जिस संपत्ति को दान करने का संकल्प लिया है उसकी मौजूदा अनुमानित कीमत फोर्ब्स ने 160 अरब डॉलर आंकी है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होने पर इसका मूल्य और भी अधिक हो सकता है। अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक गेट्स का यह दान गेट्स फाउंडेशन को समय के साथ दिया जाएगा। इससे फाउंडेशन को अगले 20 वर्षों में 200 अरब डॉलर की अतिरिक्त राशि खर्च करने की सुविधा मिल जाएगी।

गेट्स ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को दिए एक साक्षात्कार में परोपकार के लिए दान के बारे में कहा, 'इन उद्देश्यों के लिए इतना कुछ कर पाना रोमांचकारी है।'

इस बड़े दान की घोषणा गेट्स फाउंडेशन के वैश्विक स्वास्थ्य एवं शिक्षा की दिशा में जारी प्रयासों को समर्थन देती है। गेट्स का कहना है कि अपनी संपत्ति खर्च करने से अब कई लोगों की जान बचाने और उन्हें बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, जिसका फाउंडेशन के बंद होने के बाद भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, यह घोषणा गेट्स फाउंडेशन के वर्ष 2045 में बंद होने का भी संकेत देती है।

पहले फाउंडेशन को गेट्स के निधन के दो दशक बाद बंद करने की योजना बनाई गई थी लेकिन अब इसकी समयसीमा 2045 तय कर दी गई है। अपने शेष दो दशक में फाउंडेशन प्रति वर्ष लगभग नौ अरब डॉलर का बजट बनाए रखेगा।

गेट्स ने कहा, ''मुझे लगता है कि इन चीजों पर प्रगति करने के लिए जितना संभव हो सके उतना देने और लोगों को यह बताने के बीच 20 साल का समय सही संतुलन है कि अब यह पैसा खत्म हो जाएगा।'' फाउंडेशन ने 25 साल पहले गठित होने के बाद से अब तक 100 अरब डॉलर खर्च किए हैं। इस फाउंडेशन को अब तक 41 प्रतिशत राशि वॉरेन बफे से मिली है जबकि शेष राशि गेट्स ने माइक्रोसॉफ्ट की कमाई से दी है। गेट्स और मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने वर्ष 2000 में इस फाउंडेशन की बुनियाद रखी थी। इसने वैश्विक स्वास्थ्य और शिक्षा की बेहतरी के लिए लगातार काम किए हैं। गेट्स ने इसे अपना दूसरा एवं अंतिम करियर बताते हुए कहा, ''फाउंडेशन का काम मेरी अपेक्षा से कहीं अधिक असरदार रहा है।''

आतंकवाद का क्षेत्र आतंकवादियों की कब्रगाह में बदल गया : नकवी

रामपुर (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों पर भारतीय सेना के हमलों की सराहना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश के बहादुर सशस्त्र बलों ने आतंकवाद के क्षेत्र को आतंकवादियों की कब्रगाह में तब्दील कर दिया है।

नकवी ने यहां संवाददाताओं से कहा, पाकिस्तानी नेताओं को यह समझना चाहिए कि अगर उन्होंने भारत को छूने की हिम्मत की तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें नहीं छोड़ेंगे। भारत को धमकी देने वाले हर व्यक्ति को मिट्टी में मिला दिया जाएगा।

नकवी ने कहा, पहलगाम में हमारी बहनों के पतियों की हत्या करके क्रूरता करने वाले अपराधियों का सफाया हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई कार्रवाई के कारण इन आतंकवादियों के संरक्षक और प्रायोजक बेहद भयभीत हैं तथा पाकिस्तानी नेताओं ने आतंकवाद को पाकिस्तान का 'राष्ट्रीय उद्योग' बनाकर अपनी कब्र खुद खोद ली है इसलिए उन्हें यह समझना चाहिए कि अगर उन्होंने भारत को छूने की हिम्मत की, तो प्रधानमंत्री मोदी उन्हें नहीं छोड़ेंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के लिए सुरक्षा कवच के रूप में इस्लाम का दुरुपयोग करने वाले लोग इस्लाम और 'इंसानियत' दोनों के दुश्मन हैं।

हाफिज सईद ने कई सालों के लिए अपनी दोषसिद्धि को पाक अदालत में चुनौती दी

लाहौर/भाषा। मुंबई आतंकी हमले के साजिशकर्ता और प्रतिबंधित जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद ने पाकिस्तान की एक अदालत में याचिका दायर कर आतंकवाद वित्तपोषण के मामलों में कई सालों के लिए अपनी दोषसिद्धि को चुनौती दी है। अदालत के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अदालत के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''सईद और जमात-उद-दावा के कुछ अन्य नेताओं ने लाहौर उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अनुरोध किया है कि कई वर्षों से आतंकवाद के वित्तपोषण के मामलों में उनकी दोषसिद्धि को रद्द किया जाए।'' उन्होंने बताया कि लाहौर उच्च न्यायालय की, न्यायमूर्ति शाहबाज रिजवी और न्यायमूर्ति तारिक महमूद बाजवा की दो सदस्यीय पीठ ने याचिका पर सुनवाई तय कर दी है। सुनवाई की तारीख बाद में अधिसूचित की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित सईद को आतंकवाद के वित्तपोषण के मामलों में जुलाई 2019 में गिरफ्तार किया गया था। अमेरिका ने उस पर एक करोड़ डॉलर का इनाम रखा था।

सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद है और उसे कई साल तक आतंक वित्तपोषण के मामलों में दोषी ठहराया गया था। हालांकि इस तरह की अपुष्ट खबरें हैं कि सईद जेल में नहीं है और किसी 'सुरक्षित पनाहगाह' में रह रहा है।

वह लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक है जो 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार संगठन है। इन हमलों में 166 लोग मारे गए थे।

लोग बोल रहे '80 साल का बुजुर्ग पाकिस्तान' पांच टुकड़ों में बंटकर बिखर जाएगा : इंद्रेश कुमार

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोग पाकिस्तान को ''80 साल का बुजुर्ग'' बताते हुए कयास लगा रहे हैं कि अपने जन्म से ही हिंसा और रक्तपात देख रहा यह मुल्क पांच टुकड़ों में बंटकर बिखर जाएगा।

कुमार ने इंदौर में ईसाई समुदाय की गैफकॉन-एबीसीआई नॉर्थ इंडिया लीडर्स कॉन्फ्रेंस में कहा, ''हमें मालूम नहीं है कि पाकिस्तान का क्या होगा, लेकिन लोग कह रहे हैं कि यह मुल्क पांच हिस्सों में टूट कर बिखर जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''कुछ लोग कहते हैं कि पाकिस्तान जब से जन्मा है, तब से इसमें हिंसा और रक्तपात हो रहा है।

'भारत में 30 फीसदी से अधिक लड़कियों, 13 फीसदी लड़कों ने 18 साल से कम उम्र में यौन उत्पीड़न झेला'

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 2023 में 18 साल से कम उम्र की 30 प्रतिशत से अधिक लड़कियों और 13 प्रतिशत लड़कों ने यौन हिंसा का अनुभव किया। 'लांसेट' पत्रिका में प्रकाशित एक विश्लेषण से यह जानकारी सामने आई।

अध्ययन में 1990 और 2023 के बीच 200 से अधिक देशों में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा की व्यापकता का अनुमान लगाया गया है। अनुमान में यह पता चलता है कि दक्षिण एशिया में यौन हिंसा का शिकार होने के मामले में लड़कियां शीर्ष पर हैं जिसमें बांग्लादेश में 9.3 प्रतिशत से लेकर भारत में 30.8 प्रतिशत तक लड़कियां यौन उत्पीड़न का शिकार हुई हैं।

अध्ययन के अनुसार, दुनिया भर में पांच में से एक लड़की और सात में से एक लड़के के 18 साल की उम्र से पहले यौन हिंसा का अनुभव करने का अनुमान है। अमेरिका के 'यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन' में 'इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन' के शोधकर्ताओं सहित अन्य ने यह भी पाया कि उप-सहारा अफ्रीका में 18 वर्ष से कम उम्र के लड़कों के बीच यौन हिंसा की दर अधिक थी, जो कि जिम्बाब्वे में लगभग आठ प्रतिशत से लेकर पश्चिम अफ्रीकी देश कोट डिलवोइर में 28 प्रतिशत तक है।

'भूल चूक माफ' के निर्देशक बोले, 'मैंने सिर्फ बुनियाद तैयार की, जान तो राजकुमार-वामिका ने ही डाली'

नई दिल्ली/एजेन्सी

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'भूल चूक माफ' काफी चर्चा में है। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पसंद किया और वे इसे देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। फिल्म के निर्देशक करण शर्मा ने आईएएनएस से बात करते हुए राजकुमार और वामिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनकी वजह से फिल्म में जान आ गई। उनकी एक्टिंग और मौजूदगी ने फिल्म को और भी बेहतर और खास बना दिया। आईएएनएस से बात करते हुए निर्देशक ने कहा, जब मैंने कहानी लिखी, तब मैंने केवल उसकी बुनियाद तैयार की थी। लेकिन उस पर जो गहराई और बाकी खूबसूरत चीजें जुड़ीं, वो राजकुमार और वामिका समेत फिल्म में मौजूद कलाकारों की वजह से हुआ। निर्देशक, अभिनेता और पूरी टीम का यह संयुक्त प्रयास है।

करण ने आगे कहा, फिल्म सिर्फ एक इंसान की मेहनत से नहीं बनती। जब पूरी टीम मिलकर, एक सोच और एक लक्ष्य पर काम करती है, तभी रिजल्ट अच्छा आता है। सिर्फ एक इंसान कहे कि 'मैंने सब किया', यह सही नहीं होता। अगर कलाकारों ने अपनी मेहनत और योगदान न दिया होता, तो यह फिल्म वैसी नहीं बन पाती जैसी बनी है। जब वामिका से पूछा गया कि रोमांटिक फिल्म इतनी लोकप्रिय क्यों है, तो इस पर वामिका ने आईएएनएस से कहा, ये सब प्यार की बात है। प्यार ही वो चीज है जो पूरी दुनिया को जोड़ने का माद्दा रखता है। ये फिलिंग्स इंसान को अंदर से अच्छा महसूस कराती हैं। इसलिए रोमांटिक फिल्में सबको पसंद आती हैं, क्योंकि उनमें वो प्यार दिखता है जो हर किसी ने कभी न कभी महसूस किया है। ट्रेलर के मुताबिक, फिल्म की कहानी बनारस की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में राजकुमार राव ने रंजन और वामिका गब्बी ने तितली का किरदार निभाया है। रंजन और तितली दोनों शादी करना चाहते हैं, इसके लिए वे घर से भाग जाते हैं लेकिन घरवाले पुलिस की मदद से ढूंढ लेते हैं और दोनों की शादी तय करने का फैसला लेते हैं, लेकिन एक शर्त के साथ... शर्त यह है कि रंजन को दो महीने के अंदर सरकारी नौकरी ढूंढनी होगी। इसके लिए रंजन काफी मेहनत करता है, भगवान से मन्नत मांगता है। इस बीच दोनों की शादी की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं लेकिन इस बीच एक ट्विस्ट आता है, जब रंजन टाइम लूप में फंस जाता है।

फिल्म 'हरी का ओम' का यूरोपियन प्रीमियर यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल में होगा

मुंबई/एजेन्सी

अंशुमन झा, सोनी राजदान और रघुवीर यादव की फिल्म फिल्म 'हरी का ओम' का यूरोपियन प्रीमियर यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल में आज होगा। पिता-बेटे की कहानी 'हरी का ओम' पिछले कई महीनों से कई फिल्म फेस्टिवल्स में तारीफ बटोर रही है। अब इस फिल्म को एक और बड़ी उपलब्धि मिलने जा रही है। इसका यूरोपियन प्रीमियर यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल 2025 में आज लंदन के मशहूर रीजेंट स्ट्रीट सिनेमा में गाला स्क्रीनिंग के रूप में होगा। ऑस्ट्रेलिया, नॉर्थ अमेरिका, कनाडा और भारत में प्रीमियर के बाद अब यह फिल्म यूरोप में दिखाई जाएगी और इसके बाद जुलाई में इसका वर्ल्डवाइड रिलीज़ होगा। इस फिल्म का निर्देशन हरीश व्यास ने किया है और इसमें सोनी राजदान, आयशा कपूर के साथ अंशुमन झा और रघुवीर यादव मुख्य भूमिका में हैं।

अंशुमन ने कहा, 'हरी का ओम' एक ऐसी पिता-बेटे की कहानी है जिसकी जरूरत आज के दौर को है। छोटे शहर की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म हर घर में होने वाली भावनात्मक समस्याओं को दर्शाती है। यह दिखाती है कि अगर भावनाओं को सही तरीके से संभाला ना जाए, तो युवा और बूढ़े दोनों ही गलतियां कर सकते हैं। यह दो पीढ़ियों के बीच की खाई को दर्शाती है और मुझे यूके में इसकी स्क्रीनिंग और बातचीत के लिए जाने का बेसब्री से इंतजार है। अंशुमन की पिछली दो फिल्में वर्ष 2021 की 'हम भी अकेले' जिसमें उन्होंने एक समलैंगिक किरदार निभाया था, और 2023 की एक्शन फिल्म 'लकड़बग्घा' में उन्होंने जानवरों से प्यार करने वाले एक विगिलांटे की भूमिका निभायी थी, जिससे उन्हें काफी सराहना मिली। अब 'हरी का ओम' में वे भोपाल के एक मध्यमवर्गीय लड़के की भूमिका में नज़र आएंगे।

अनुराग कश्यप की बढ़ी मुश्किलें, गैर जमानती धाराओं में केस दर्ज

रायपुर/एजेन्सी

ब्राह्मणों पर विवादित टिप्पणी कर फंसे फिल्म निर्माता-अभिनेता अनुराग कश्यप की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। गुजरात के सूरत कोर्ट के नोटिस के बाद अब छत्तीसगढ़ के रायपुर की अदालत ने गैर-जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। ब्राह्मणों के खिलाफ दिए गए विवादित बयान को लेकर अनुराग कश्यप के खिलाफ उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अंजिनेश अंजय शुक्ला ने रायपुर की अदालत में परिवाद दाखिल किया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कुमारी आकांक्षा की बेंच ने सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया है। कश्यप पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 299 एवं 353 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने के आदेश हैं। कोर्ट ने कहा कि अनुराग की टिप्पणी न सिर्फ सामाजिक सौहार्द्र को भंग करने वाली है बल्कि यह समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है, जो दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

अधिवक्ता अंजिनेश अंजय शुक्ला ने बताया, अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर हाल ही में पोस्ट शेयर किया था, जिसमें ब्राह्मण समाज के खिलाफ आपत्तिजनक और सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ने वाली टिप्पणी की थी, जिसके विरुद्ध हमने संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई। उस पर कोई कार्रवाई न होने पर हमने एसपी से शिकायत की। इसके बाद हमने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 175(3) के अंतर्गत रायपुर जिला न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया। जज ने गैर जमानती धाराओं में मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। इससे पहले 25 अप्रैल को सूरत की ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास (जेएमएफसी) कोर्ट ने अनुराग के खिलाफ नोटिस जारी कर पेश होने का आदेश दिया था। सूरत की जेएमएफसी कोर्ट ने अनुराग के खिलाफ नोटिस जारी कर हाजिर होने का आदेश दिया। यह नोटिस ब्राह्मण समाज की ओर से सूरत के वकील कमलेश रावल की शिकायत के बाद जारी की गई थी। उन्होंने अनुराग कश्यप के सोशल मीडिया पोस्ट और माफीनामे को सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया। इस बीच सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कश्यप ने हाल ही में दोबारा आहत लोगों से माफी मांगी थी। कश्यप का कहना है कि वह गुस्से में आकर मर्यादा भूल गए थे। आगे वह ध्यान देंगे कि बातचीत के दौरान सही शब्दों का इस्तेमाल करें। माफी मांगने के साथ ही अनुराग ने आगे कहा कि उनसे ऐसी गलती आगे कभी नहीं होगी। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की।

सिविल सेवा में जाना चाहती थी निकिता दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री निकिता दत्ता सिविल सेवा में जाना चाहती थी। निकिता दत्ता ने हाल ही में एक कार्यक्रम में अपने सिनेमा के सफर पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने अपने करियर के एक अनछुए पहलू का ज़िक्र किया। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था जब वह संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा देकर सिविल सेवाओं में जाना चाहती थीं। निकिता ने बताया, मैं एक आर्मी परिवार से आती हूं। मेरे आसपास लगभग हर कोई किसी न किसी रूप में सेना से जुड़ा रहा है। ऐसे अनुशासित माहौल में पल-बढ़कर, मेरा भी झुकाव एक व्यवस्थित जीवन की ओर था। एक समय तो ऐसा था जब मैं यूपीएससी परीक्षा में शामिल होकर सिविल सर्विसेज की राह पर जाना चाहती थी। मेरे जैसे किसी इंसान के लिए, जिसने अब अभिनय को अपना पेशा बना लिया है, यह बदलाव काफी बड़ा था। हम ऐसे माहौल में पले-बढ़े जहां नियम, अनुशासन और कर्तव्य सबसे ऊपर थे। वहीं, क्रिएटिव फील्ड में करियर बनाना, जहां हर दिन कुछ नया और अनिश्चित होता है, मेरे लिए पूरी तरह से अलग अनुभव था। लेकिन मुझे लगता है कि वही अनुशासन मुझे इस इंडस्ट्री में स्थिर और केंद्रित रहने में मदद करता है, जो अक्सर काफी अव्यवस्थित लगती है। निकिता को इस समय उनकी हालिया फिल्म 'ज्वेल थीफ' में उनके किरदार फराह के लिए काफी सराहना मिल रही है। दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने उनकी अदायगी को प्रभावशाली, बारीक़ियों से भरी और अब तक के करियर की सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में से एक बताया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोलीं हेमा मालिनी - पहलगाम में निर्दोषों की नृशंस हत्या का बदला लिया गया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलतापूर्वक कार्रवाई के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का एक मजबूत योजनाबद्ध जवाब था। सरकार की सख्त प्रतिक्रिया ने पीड़ितों को न्याय दिलाया है।

एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में 'ऑपरेशन सिंदूर' की जमकर तारीफ की। उन्होंने इसे पीड़ितों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए एक जरूरी कदम बताया। साथ ही पीएम की ओर से इस सैन्य कार्रवाई को मंजूरी देने की भी सराहना की।

हेमा मालिनी ने 'एक्स' पर लिखा, हमारी ताकतवर सेना और वायुसेना को कोटि-कोटि प्रणाम, जिन्होंने निर्दोष पर्यटकों की जान लेने वाले आतंकवादियों को करारा जवाब दिया। हां! पीएम मोदी ने दुश्मनों के खिलाफ सबसे असरदार 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसके जरिए पहलगाम में निर्दोषों की नृशंस हत्या का बदला लिया गया। पूरा देश एकजुट होकर सरकार की इस कार्रवाई के समर्थन में खड़ा है। जय हिंद! जय भारत!

हेमा मालिनी से पहले अभिनेत्री रवीना टंडन ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने लिखा, ''भारत हमेशा शांति के पक्ष में खड़ा रहा है। फिर भी, दशकों से हम ऐसे हमलों के शिकार होते आए हैं। दोनों देशों के बीच शांति के लिए कई पहल और बातचीत हुई। इसके बावजूद, पाकिस्तान लगातार अपनी सेना की मदद से ऐसा करता आया है, जिसकी वजह से अनगिनत निर्दोषों की जान जा चुकी है।''उन्होंने आगे लिखा, ''दुनिया को अब आतंकी कारखानों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। भारत की कार्रवाई सोची-समझी है, जिसका उद्देश्य केवल आतंकियों को खत्म करने का है, न कि नागरिकों को। हमारे सैनिकों के साथ देशवासियों ने धैर्य और साहस दिखाया। मैं देश, हमारे सशस्त्र बलों, लीडर्स के साथ खड़ी हूं। श्री राम हमें बुराई का नाश करने के लिए मार्गदर्शन दें।''पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाबी कार्रवाई के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शुक्रवार | 09-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

यहां के पोरवाल जैन संघ द्वारा युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने हेतु आयोजित गजानन कप बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन पारितोषिक वितरण के साथ हुआ। लगातार तीन सप्ताह तक चली इस प्रतियोगिता के पुरुषों का खिताब जियानी ब्लैजर्स ने जियानी सुपर किंग्स को हराकर जीता।

मैसूरु में शासन स्थापना दिवस पर ध्वज फहराया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां के सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में महावीर भवन के प्रांगण में शासन स्थापना दिवस के मौके पर जिन शासन का ध्वज लहराया गया। गौरतलब है कि महावीर प्रभु को वैशाख सुद 10 को केवल ज्ञान प्राप्त हुआ था लेकिन प्रथम देशना में किसी को भी संयम लेने के भाव उत्पन्न नहीं हुए। प्रभु वहां से विहार करके पावापुरी पहुंचे और वैशाख सुद 11 के दिन प्रभु ने चतुर्विध संघ की स्थापना की और उसी उपलक्ष्य में भारतभर के विविध संघों में वैशाख सुद 11 के दिन शासन स्थापना दिवस मनाया जाता है। शासन स्थापना दिवस के मौके पर संघ में शासन ध्वज लहराया जाता है। सुमतिनाथ संघ में महावीर भवन के प्रांगण में भव्य रूप से शासन स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें ट्रस्ट मंडल सहित अनेक श्रावक श्राविकाओं ने भाग लिया। सम्मान के साथ शासन ध्वज को लहराया गया। शासन को वंदना की गई। इस अवसर पर सुमतिनाथ संघ के कोषाध्यक्ष पारसमल सिंघवी, ट्रस्टी नगराज राठौड़, चंपालाल वाणीगोता, महावीर गादिया, विमल भेसवाड़ा, प्रकाश सालेचा, सुरेश भिरलोचा, भरत चौहान, जयंतीलाल परमार, सुमतिनाथ नवयुवक मंडल के अध्यक्ष कुमार सालेचा, सह सचिव संदीप संकलेचा, दीपक खींवेसरा, पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के अध्यक्ष दलीचंद श्रीश्रीमाल, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जिनशासन स्थापना दिवस पर गौ सेवा एवं संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ के सदस्यों ने जिनशासन स्थापना दिवस के मौके पर गुरुवार को देवनहल्ली के पद्मावती प्राणी दया ट्रस्ट गौशाला में गायों को घास खिलाया एवं वहां स्थित सिद्धाचल स्थूलभद्र धाम जैन तीर्थ में विराजित आचार्य के दर्शन कर शासन ध्वज को फहराया। यह जानकारी देते हुए कैलाश संखलेचा ने बताया कि सिद्धाचल धाम में परमात्मा की पूजा अर्चना कर दर्शन का लाभ भी लिया गया।

इस शुभ अवसर पर युवक महासंघ के अध्यक्ष मनोज बाफना, मंत्री आशीष बाफना, मुकेश पालरेचा, सुरेश लखानी, पदम भूरट, अशोक गांधी, दिलीप भंडारी, प्रवीण लुंकड़, कैलाश बाफना, सुरेश चौधरी, गौरव संचेती, गौरव भंडारी, निखिल भंडारी, पदम बाफना, भावना बाफना, सारिका लुंकड़, ममता लखानी, प्रेमा भूरट, त्रिशला बाफना, आदि सदस्य उपस्थित थे।

जियानी ब्लेजर्स ने जीता गजानन कप

महिलाओं में जियानी सुपर किंग्स ने बाजी मारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के पोरवाल जैन संघ द्वारा युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने हेतु आयोजित गजानन कप बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन पारितोषिक वितरण के साथ हुआ। लगातार तीन सप्ताह तक चली इस प्रतियोगिता के पुरुषों का खिताब जियानी ब्लेजर्स ने जियानी सुपर किंग्स को हराकर जीता। वहीं महिलाओं की श्रेणी में जियानी सुपर किंग्स ने नरेश फार्मा टीम को हराकर बाजी मारी।

प्रतियोगिता के मुख्य आकर्षण किशोर श्रेणी में नरेश फार्मा टीम को सफलता मिली। पुरुषों की श्रेणी में नमन जैन को बेस्ट बल्लेबाज, ऋषभ मरलेचा को बेस्ट गेंदबाज एवं विशाल राठौड़ को मेन ऑफ द सिरीज का पुरस्कार दिया गया। महिलाओं की श्रेणी में निशी पोरवाल को बेस्ट बल्लेबाज, देशना परमार को बेस्ट गेंदबाज व निशी पोरवाल को वन मेन ऑफ द सिरीज घोषित किया गया। प्रतियोगिता के संचालन में पोरवाल संघ की युवा समिति का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह के आर रोड स्थित बेंगलूरु कॉलेज के सभागार में सूरत के स्ट्रिंग एंड स्टोरीज द्वारा रंगारंग प्रस्तुति के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रबुद्ध गणमान्यों को आमंत्रित किया गया। पोरवाल संघ के अध्यक्ष जसवंतराज पोरवाल एवं मंत्री हीरालाल कोठारी ने प्रतियोगिता के चौथे संस्करण का मुख्य प्रायोजक बनने के लिए गजानन ग्रुप ऑफ कंपनीज के अशोक गजानन परिवार का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता के पांचवें संस्करण हेतु मुख्य प्रायोजक के रूप में डी के जैन के नाम की घोषणा की गई।

इस अवसर पर मुख्य प्रायोजक अशोक गजानन ने कहा कि समाज के युवाओं व महिलाओं के कौशल उत्थान के साथ अन्य जरूरी कार्यों में सहयोग के लिए उनका परिवार हमेशा सहयोग हेतु प्रतिबद्ध है। प्रतियोगिता में प्रायोजक के रूप में अवसर प्रदान करने के लिये उन्होंने संघ को धन्यवाद दिया। पारितोषिक वितरण समारोह में समाजसेवी प्रकाश सिंघवी, नरेश निबजिया एवं सिद्धार्थ बोहरा ने कविताओं व शेर-ओ-शायरी के माध्यम से उपस्थितजनों का मन मोहा। संचालन सूरत की विधि जैन ने किया।

जैन युवा संगठन द्वारा चतुर्विध संघ स्थापना पर सामूहिक सामायिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वैशाख सुदी ग्यारस को भगवान महावीर द्वारा धर्म संघ की स्थापना की गई थी जिसे शासन स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी मौके पर 8 मई को गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना भवन में सामूहिक नवकार मंत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। जैन युवा संगठन के पदाधिकारियों द्वारा पचरंगी जैन ध्वज का ध्वजारोहण किया गया।कार्यक्रम में मंगलाचरण अभिषेक कावड़िया द्वारा महावीर स्तुति से हुआ।

संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने सभी का स्वागत करते हुए इस आध्यात्मिक पर्व की मंगलकामना प्रस्तुत की। संगठन के मंत्री नीरज कटारिया द्वारा संगठन के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष सुरेश धोका ने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे मानव कल्याण हेतु कार्यों की जानकारी दी। समन्वय समिति चेयरमैन मुकेश बाबेल ने सभी को 2 सामायिक की प्रेरणा देते हुए आयोजन की महत्ता बताई।

समणी डॉ सुयशनिधि जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रभु महावीर ने आगे बढ़ने का बोध दिया। संसार में हर कार्य को करने के लिए साधन की आवश्यकता होती है वैसे ही संगठन की आवश्यकता होती है। जिस तरह सांकल की छोटी छोटी कड़ियां जुड़ने के बाद हाथी को भी खींचने की शक्ति रखती हैं वैसे ही हम सब भी एक कड़ी में बंधे हैं वो है प्रभु महावीर का संदेश। साध्वी श्री अणिमाजी ने गीतिका का संगान करते हुए प्रभु आज्ञा में रहने की प्रेरणा दी, राजा श्रेणिक ने सामायिक से नरक के द्वार बंद कर दिए वैसे ही हमें निरंतर सामायिक करनी चाहिए और कहा कि जैन युवा संगठन हर वर्ष ऐसे आयोजन कर हमें संगठित करने का प्रयास करता है। साध्वीश्री मेघाश्रीजी ने कहा कि प्रभु महावीर ने केवल ज्ञान के अगले दिन संघ स्थापना कर साधु, साध्वी, श्रावक एवं श्राविका का गठन किया एवं सामायिक की महत्ता बताते हुए कहा कि सामायिक की साधना से कषाय की मात्रा घटे। साध्वीश्री आगमश्रीजी ने कहा कि हमें सोचना है कि उत्थान कैसे हो? धर्म की शरण से उत्थान संभव है। धर्म रूपी डायमंड को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। अमित सिंघी ने आगामी 8 जून को आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम की जानकारी दी।

आचार्यश्री उदयप्रभसागरजी ने कहा कि भोगवाद, आतंकवाद एवं नास्तिकवाद को त्यागना है। सम्यक के स्पर्श से ही ये संभव होगा। जरूरी नहीं कि धर्म करने के लिए कोई साथी की आवश्यकता हो, अकेले भी धर्म की शरण में जाया जा सकता है। जीवन में सादगी अपनाएं। हिंसकता को ठुकराए। अहिंसा को अपनाएं। आचार्यश्री बसंत मुनिजी ने आयोजन की सराहना करते हुए सभी को आज के इस पावन पर्व की बधाई दी।

मुनिश्री पुलकित कुमारजी आगम वाणी फरमाते हुए कहा कि समा यरिये धम्मे' धर्म का सार समता में है। परिवारों को प्रेरणा देते हुए कहा कि आज के समय में परिवारों में समन्वय की कमी देखने को मिलती है जिसका मूल कारण संस्कारों की कमी है। एज्युकेशन के साथ संस्कार भी जरूरी है। जीवन में क्षमा को अपनाते हुए जिनवाणी की धारा को भीतर में उतारना चाहिए। अच्छी बात कहीं से भी प्राप्त हो उसे स्वीकार करना चाहिए। आचार्यश्री भानुरत्न विजयजी ने कहा कि प्रभु ने संघ स्थापना कर एक परिवार बना दिया। आचार्यश्री मनीष प्रभसागरजी ने कहा कि प्रभु ने गर्भ से ही हमेशा मां के उपकारों को ना भूलने की प्रेरणा दी। हमें जिनेश्वर की आज्ञा का पालन हमेशा करते रहना चाहिए। संगठन के पदाधिकारियां द्वारा आयोजन स्थल ज्येष्ठ पुष्कर भवन के पदाधिकारियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। आयोजन का संचालन पूर्व मंत्री मदन मुणोत एवं अमित दक ने किया। सभी आचार्य भगवंत, साधु भगवंत, साध्वी भगवंत द्वारा सामूहिक मंगल पाठ से कार्यक्रम का समापन हुआ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मनमोहक श्रृंगार

बेंगलूरु में गुरुवार को मोहिनी एकादशी के मौके पर बन्नरघट्टा स्थित श्री श्याम मंदिर बेंगलूरु धाम में खाटू नरेश बाबा श्याम का फूलों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। दोपहर सवा चार बजे से मंदिर परिसर में भजनों की गंगा बही जिसमें स्थानीय गायकों ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। सायं आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

बीजेएस मैसूरु चैप्टर ने जिनशासन स्थापना दिवस मनाया

मैसूरु/दक्षिण भारत। यहां भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) के मैसूर चैप्टर द्वारा श्री आदिनाथ जैन संघ, मैसूरु के संयुक्त तत्वावधान में वैशाख सुद 11, गुरुवार को आदेश्वर वाटिका के प्रांगण में जिनशासन स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस में शोभायात्रा निकाली गई, जैन ध्वजारोहण एवं शासन व वीर महिमा गुणगान के साथ मनाया गया। प्रमुख वक्ता बीजेएस मैसूर चैप्टर के संस्थापक अध्यक्ष अशोक सालेचा ने जिनशासन स्थापना दिवस की महत्ता, तीर्थंकर प्रभु महावीर द्वारा स्थापित साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविका रूपी चतुर्विध संघ की स्थापना एवं महावीर के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए सन्देश दिया कि हर एक श्रावक को विकथा और निंदा-चुगली से दूर रहना चाहिए। सालेचा ने यह बताया कि विश्व में नारी शक्ति को आगे आने के लिए प्रभु महावीर ने ही सर्व प्रथम प्रोत्साहित किया और साधु-श्रावक के साथ साथ साध्वी-श्राविका को भी समान रूप से तीर्थ रूप स्थापित किया।

श्री आदिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष स्मेशचंद जैन ने वीर शासन के प्रारम्भ के घटनाक्रम के बारे में बताते हुए बताया कि भगवान महावीर को वैशाख शुक्ल दशमी को केवलज्ञान प्राप्त हुआ और एकादशी को साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविकाओं के चतुर्विध संघ की स्थापना की थी। यह संघ जैन धर्म को संगठित करने और उसके सिद्धांतों को प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह दिन जैन धर्म के अनुयायियों के लिए एक प्रेरणास्रोत है, जो उन्हें धर्म के प्रति समर्पित होने और उसकी शिक्षाओं का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आदिनाथ जैन मंदिर से शोभायात्रा प्रारम्भ हुई। आदेश्वरा वाटिका के प्रवेश द्वार पर दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा जैन ध्वजारोहण के पश्चात प्रवचन हाल में धर्मसभा का आयोजन हुआ। बीजेएस के मुख्यसचिव दीपक बोहरा द्वारा मंगलाचरण के साथ धर्म सभा प्रारम्भ हुई। अध्यक्ष राजन बाघमार ने सभी का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला ने अतिथियों का जैन शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रवीण लुंकड, उपाध्यक्ष नेमीचंद बडोला, सचिव नवरतनमल पितलिया एवं सुनील पटवा ने अतिथियों का अभिनंदन किया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम निदेशक कुशल पालरेचा ने किया। कार्यक्रम का संचालन आदिनाथ जैन संघ के सचिव गौतम सालेचा ने किया। इस अवसर पर आदिनाथ जैन संघ, मैसूरु के उपाध्यक्ष भोजराज जैन, भारतीय जैन संघटना के महिला इकाई की अध्यक्ष शर्मिला धोका, कर्नाटक राज्य महासचिव प्रकाश गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश श्रीश्रीमाल, दोनों संस्थाओं के सदस्यगण उपस्थित रहकर जिन शासन की प्रभावना में सहयोग दिया।

जेबीएन- वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेबीएन-वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह की चौथे कार्यकाल की बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जेएलडब्ल्यू की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ भी उपस्थित थीं। बैठक की मुख्य वक्ता, वास्तु एस्ट्रोलॉजर शिखा जैन थीं जिन्होंने स्वर विज्ञान विषय पर प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक सत्र लिया। उन्होंने इस प्राचीन विद्या के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आंतरिक शांति प्राप्त करने के प्रभावशाली उपाय साझा किए।

सदस्य स्पॉटलाइट सेशन में कारवा स्टोर्स की संस्थापिका निकिता जैन ने अपने ब्रांड की यात्रा साझा की और बताया कि किस प्रकार उनकी डिज़ाइनों में रीसाइक्लिंग, अनुकूलन और बी2बी समाधान जैसे सिद्धांतों के माध्यम से फैशन में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा दिया जा रहा है। बैठक में एक नए सदस्य का गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिससे समूह की शक्ति और विविधता में वृद्धि हुई।

बैठक के अन्य मुख्य अंशों में सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड पिच का खिताब मोक्षा सोलंकी को उनके प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण के लिए प्रदान किया गया। व्यावसायिक सहयोग की भावना को आगे बढ़ाते हुए, रंजना डोडिया ने सर्वाधिक व्यवसाय देकर उल्लेखनीय योगदान दिया। वहीं, पिंकी मेहता ने सबसे अधिक रेफ़रल देकर नेटवर्किंग की भावना को सशक्त किया और समूह के सामूहिक विकास में अहम भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ रेफ़रल हेड मीना जैन, रेफ़रल लीड लीला पितलिया और रेफ़रल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने किया। बैठक का समापन राष्ट्रगान एवं खुले नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ, जिसने सदस्यों के बीच आपसी संबंधों को और प्रगाढ़ किया तथा सहयोग के नए अवसरों को जन्म दिया।

'मातृछाया' ने कामधेनु गौशाला चिकमगलूर में की गौ सेवा

चिकमगलूर/दक्षिण भारत। यहां जैन महिलाओं की सेवा संस्था 'मातृछाया' की सदस्याओं ने चिकमगलूर के छोटे से गाँव हरीहरपुर में कामधेनु गौशाला

विज़िट की तथा मौके पर उपस्थित होकर गौवंशों को चारा खिलाया और सेवा कार्य में भागीदारी निभाई। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य गौशाला की भौतिक स्थिति का मूल्यांकन करना, स्थानीय जनों की भागीदारी, गौमाता की सेवा में आ रही चुनौतियों और भावी सुधारात्मक उपायों को समझना था। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि संपूर्ण परिसर का निरीक्षण किया गया और प्रबंधन शैलेष होला से संवाद कर प्रमुख जरूरतों को रेखांकित किया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि कामधेनु गौशाला में गायों की एक ही प्रजाति 'मलेनाडु गीडा' सैकड़ों गौमाताओं का आश्रय स्थल है। यह गाय कद में छोटी नस्ल वाली हैं। सांस्कृतिक और जैविक परंपरा की धरोहर भी है। मातृछाया' ने आगामी एक वर्ष तक आश्रय स्थल पर चारा, पानी का दायित्व स्वीकार किया। गौशाला के प्रबंधन ने 'मातृछाया' के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग इस केंद्र को और अधिक सक्षम, स्वावलंबी और सेवामुखी बनाएगा। इस अवसर पर संगठन की ललिता नागोरी, पुष्पा, मीना सोलंकी, त्रिशला कोठारी आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

बेकिंग संबंधी प्रशिक्षण देकर कन्याओं को स्वावलंबी बनाने का प्रयास

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा उड़ान (सुनहरा भविष्य) : एक कदम स्वालंबन की ओर' त्रैमासिक कार्यशाला अक्कम्मा देवी आश्रम में कन्याओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। दिसंबर माह से प्रारंभ हुई है कार्यशाला मार्च महीने तक चली। इसके अंतर्गत मेहंदी डिजाइन, कैंडल मेकिंग स्क्रैपबुक मेकिंग, केक पेस्ट्री मेकिंग, चॉकलेट मेकिंग इत्यादि का प्रशिक्षण मोना मांडोत, तन्वी मांडोत, ज्योति पींचा, खुशी सामसुखा, उर्वशी पुगलिया द्वारा दिया गया। आश्रम की कन्याओं को प्रशिक्षण दिया गया। मंडल द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं जैन पट्ट के द्वारा उनका सम्मान 7 मई को आश्रम में मंडल की अध्यक्ष मंजू गादियां एवं मंत्री दीपिका गोखरू ने किया। आश्रम को ओटीजी, बैलेन्डर, और बटर पेपर दिए गए जिससे आश्रम की कन्याओं ने केक, बिस्किट, पैस्ट्री आदि बनाकर रोजगार आरंभ करने की दिशा में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मंडल की उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया, मंत्री ललित डागा, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ आदि उपस्थित थीं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com